सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 69 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 22 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

पकड़ा गया नक्सलियों का खूंखार नेता, नक्सलियों ने बैनर टांगकर, कहा - 'सुरक्षित कोर्ट में पेश करो'

कांकेर। नक्सल मोर्चे पर लगातार सफलता हासिल कर रही पुलिस के हाथ एक और बड़ी सफलता लगने की खबर सामने आ रही है, हालांकि पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है। लेकिन नक्सलियों ने बैनर लगाकर इस बात को कन्फर्म कर दिया है कि नक्सलियों का खूंखार नेता प्रभाकर पुलिस ने हत्थे चढ़ गया है, 19 दिसम्बर को प्रभाकर को घेराबंदी कर पकड़े जाने की खबर सामने आई थी लेकिन पुलिस के अधिकारियों ने इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। अब नक्सलियों ने अंतागढ़ इलाके में बैनर लगाकर प्रभाकर के पुलिस के कब्जे में होने की बात कही है, साथ ही उसे तत्काल सुरक्षित कोर्ट में पेश करने की मांग की है।

प्रभाकर वो नक्सली है जिसके हाथ सैकड़ों जवानों के खून से रंगे है,प्रभाकर वर्तमान में नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी का मेंबर बताया जा रहा है, जो कि इसके पहले तक नक्सलियों के स्टेट जोनल कमेटी का मेंबर था और लंबे समय से उत्तर बस्तर डिविजन में सक्रिय है। प्रभाकर 1997 से नक्सल संगठन में सक्रिय है और वर्तमान में उसकी उम्र 53 साल है। प्रभाकर बीमारी के कारण जंगल से बाहर आया था और इलाज के लिए राजनांदगांव जाने की खबर थी, जहां से वापस लौटते समय पुलिस ने उसे धर दबोचा है बताया जा रहा है कि प्रभाकर शिक्षक का भेस लेकर इलाज करवाने आया था। लेकिन पुलिस को मुखबिर से इस बात की पक्की खबर मिल गई थी, प्रभाकर पर 40 लाख से ज्यादा का इनाम घोषित है। इसके पकड़े जाने से उत्तर बस्तर डिविजन में नक्सल संगठन की कमर टूट सकती है। पुलिस ने पहले ही एनकाउंटर में नक्सलियों के कई बड़े लीडर्स को ढेर कर दिया है, उसके बाद उम्रदराज नेता के पकड़े जाने से नक्सलियों की कई अहम जानकारी पुलिस के हाथ लग सकती है।

आईईडी ब्लास्ट : 3 नक्सली गिरफ्तार, कब्जे से प्रेशर बम और विस्फोटक बरामद

दंतेवाड़ा। आईईडी ब्लास्ट मामले में दंतेवाड़ा पुलिस ने 3 नक्सलियों को अरनपुर थाना क्षेत्र के मुलेर मार्ग से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों में 1 लाख रुपये का इनामी नक्सली DKMS अध्यक्ष कोवासी देवा और पाण्डू मुचाकी(ककाड़ी पंचायत ष्टहरू सदस्य) और जोगा कवासी को गिरफ्तार किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार तीनों नक्सलियों के कब्जे से 3 किलो वजनी एक कमांड आईईडी बम, प्रेशर आईईडी बम, डेटोनेटर वायर और विस्फोटक सामान बरामद किया गया है। DRG,CAF,बस्तर फाइटर्स और अरनपुर थाना के जवानो ने मिलकर संयुक्त रूप से सर्च अभियान चलाया था। वहीं एक दिन पहले 20 दिसंबर, शुक्रवार को नारायणपुर जिले से एक बार फिर नक्सलियों करतूत सामने आई है। आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के दो जवान घायल हो गए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया गया। कच्चापाल में सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा में जवान लगे थे कच्चापाल में दो दिन पहले ही नया कैंप खोला गया है। डीआरजी जवान यहां पर सड़क निर्माण कार्य की सुरक्षा में लगे हुए हैं। इसी दौरान वे नक्सलियों के बिछाए गए आईईडी की चपेट में आ गए। ब्लास्ट में दो जवान घासीराम मांझी और जनक पटेल घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल भिजवाया गया है जहां उनका इलाज जारी है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा की अध्यक्षता में टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा

मुख्यमंत्री साय बोले- छत्तीसगढ़ में पूरी मुस्तैदी से संचालित हो रहा टीबी मुक्त भारत अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में टीबी मुक्त भारत अभियान का संचालन सभी जिलों में पूरी मुस्तैदी के साथ किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को टीबी के प्रति न सिर्फ जागरुक कयिा जा रहा है बल्कि उन्हें सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी भी दी जा रही है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगातार काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा को प्रदेश में चलाए जा रहे टीबी मुक्त अभियान की संपूर्ण जानकारी दी।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में 'टीबी मुक्त भारत अभियान' की प्रगति की समीक्षा के लिए नईदिल्ली में बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए शुरू किए गए अभियान के तहत छत्तीसगढ़ में टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग, उपचार और निदान के लिए किए जा रहे कार्यो की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, विशेष सचिव स्वास्थ्य डॉ. प्रियंका शुक्ला और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के प्रबंध संचालक विजय दयाराम के. उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ में अब तक 11 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 7 दिसंबर को अभियान की शुरूआत के बाद अब तक 11 लाख 23 हजार 924 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी मरीजों के बैंक खातों में पोषण आहार के लिए 1000 रूपए की राशि का भुगतान किया जा रहा है। टीबी मरीजों के पोषण आहार उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में अब तक 10,447 निक्षय मित्र पंजीकृत हुए हैं। सुकमा जैसे दूरस्थ जिले में सभी 66 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत है।

हल्बी में गीत-संगीत से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि बस्तर अंचल के तोकापाल क्षेत्र में स्वास्थ्य कर्मी स्थानीय बोली हल्बी में गीत-संगीत के माध्यम से अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार कर रहे हैं। अभियान के तहत 963 निक्षय शिविर आयोजित किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार तय समय में अभियान के लक्ष्य पूरे किए जाएंगे। अभियान में निजी क्षेत्र की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है, जिससे टीबी मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निजी क्षेत्र की भागीदारी एवं जन भागीदारी के तहत मॉलबाओ डायग्नोस्टिक्स द्वारा 2 हेंड हेल्ड एक्स-रे मशीन और 2 ट्रू-नॉट मशीन, मोबाइल यूनिट्स में उपयोग किए जा रहे हैं। इस वाहन का उपयोग निक्षय वाहन के रूप में किया जा रहा है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा : देशभर में टीबी से होने वाली मौतों में आई है 21.4 फीसदी कमी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बैठक में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों, उपराज्यपालों और राज्यों के स्वास्थ्य मंत्रियों से 100-दिवसीय गहन टीबी उन्मूलन अभियान के लिए उनके सहयोग का अनुरोध किया। स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने कहा कि राज्य स्तर पर अभियान की निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि राजनीतिक और प्रशासनिक नेतृत्व द्वारा जिला स्तरों पर भी ऐसा ही किया जाए। उन्होंने बताया कि 2015 से 2024 तक भारत में टीबी में गिरावट की दर 17.7 फीसदी है, जो कि 8.3 फीसदी के वैश्विक औसत से दोगुनी है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले 10 वर्षों में भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 21.4 फीसदी की महत्वपूर्ण कमी आई है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार के संपूर्ण दृष्टिकोण को सुनिश्चित करने के लिए, राष्ट्रीय स्तर पर अपनाए गए दृष्टिकोण के समान, जन भागीदारी की भावना से अन्य मंत्रालयों और विभागों को अभियान गतिविधियों में सहयोग देने के लिए शामिल किया जा सकता है। उन्होंने मुख्यमंत्रियों से निर्वाचित प्रतिनिधियों,

विशेष रूप से विधान सभाओं और परिषदों के सदस्यों के साथ-साथ पंचायती राज संस्थाओं को शामिल करने और समुदायों को जोड़ने में मदद करने के लिए उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने का भी अनुरोध किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उल्लेख किया कि राज्यों के पास पहले से ही टीबी की दवाओं का लगभग दो महीने का स्टॉक है और कहा कि केंद्र राज्यों में टीबी की दवाओं का कम से कम 6 महीने का अग्रिम स्टॉक सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने सभी हितधारकों को टीबी को खत्म करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए प्रोत्साहित किया।

हेल्थ सेक्रेटरी बने आईएएस अमित कटारिया केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने के बाद पोस्टिंग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस लौटने के बाद सीनियर आईएएस अमित कटारिया को सरकार ने पोस्टिंग दे दी है। अमित कटारिया को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव पद पर पदस्थ किया गया है। इनकी पदस्थापना के बाद आईएएस मनोज पिंगुआ को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया। आईएएस मनोज पिंगुआ के शेष प्रभार यथावत रहेंगे।

इसके अलावा आईएएस मुकेश कुमार बंसल को सचिव, वाणिज्यिक कर (आबकारी एवं पंजीयन को छोड़कर) एवं अध्यक्ष पेंशन निराकरण समिति को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ सचिव, मुख्यमंत्री का अतिरिक्त प्रभार सौंपता है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आदेश जारी कर दिया गया है।

डीएसपी ने किया रेप, महिला को अकेली पाकर बिगड़ी नीयत

▸ मोहन नगर का मामला, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कानून की रक्षा करने वाले ही कानून तोड़कर क्रिमिनल बन जाए तो आम आदमी क्या करे। दुर्ग जिले में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। वर्तमान में सुकमा जिले के जगरगुंडा में पदस्थ एसडीओपी तोमेश वर्मा पर रेप का आरोप लगा है। दुर्ग में रहने वाले एक डॉक्टर की पत्नी ने डीएसपी तोमश वर्मा के खिलाफरेप का आरोप लगाया है। इस मामले में मोहन नगर पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहन नगर पुलिस के अनुसार घटना लगभग

4 माह पुरानी है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि डीएसपी तोमेश वर्मा इनके परिवार के रिश्तेदारी में आता है। जुलाई 2020 में प्लॉट खरीदने के सिलसिले में दुर्ग आकर उनके घर पर पूरे परिवार के साथ रुका था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि हाल ही में चार माह पूर्व 31 अगस्त 2024 की शाम को डीएसपी तोमेश उनके घर पहुंचा। इस दौरान घर पर उनका डॉक्टर पति नहीं था। महिला ने बताया भी कि उसके पति घर पर नहीं है।

पीड़िता ने अपनी शिकायत में आगे बताया कि पति के नहीं होने का फायदा उठाते हुए डीएसपी तोमेश घर में जगरन घुसा। इसके बाद छेड़छाड़ करने लगा। महिला विरोध करती रही लेकिन वह नहीं माना। इस दौरान डीएसपी ने मारपीट भी की और जबरन महिला से संबंध बनाया। रेप करने के बाद वह वहां से चला गया। महिला का डॉक्टर पति रात को जब लौटा तो उसने इसकी जानकारी दी लेकिन लोकलाज के कारण थाने नहीं पहुंचे। इस घटना के बाद महिला काफी सदमे में थी। इसके बाद पति के कहने पर चार बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। इस मामले मोहन नगर पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 351(2), 64 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रायपुर के जैन मंदिर से सोने-चांदी के 54 सामान चोरी, लाखों में कीमत, जांच में जुटी पुलिस

▸ तेलीबांधा थाना क्षेत्र का मामला, लाभांडी में है जैन मंदिर, गार्ड भी था तैनात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के जैन मंदिर में चोरी हो गई है। चोरों ने मंदिर के भीतर घुसकर सोने-चांदी के 54 सामानों की चोरी कर ली है। इन सामानों में भगवान की मूर्ति के ऊपर का छत्र, सोने का कलश और चांदी के करीब 4 दर्जन से ज्यादा बर्तन थे। इस वारदात के दौरान मंदिर में गार्ड भी ड्यूटी पर था लेकिन वह सोता रहा। फिलहाल तेलीबांधा पुलिस इस मामले में जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक, लाभाण्डी इलाके में 1008 पदम प्रभ दिगंबर जैन मंदिर स्थित है। बताया जा रहा है कि रविवार रात डेढ़ बजे के करीब चोर मंदिर के साइड वाले दरवाजे से भीतर घुसे। दरवाजे पर दो ताला लगा हुआ था जिसे उन्होंने आरी से काट दिया। अंदर घुसकर चोरों ने सबसे पहले चारों तरफ का मुआयाना किया। फिर सीसीटीवी कैमरे के तारों को काट दिया।

सिक्योरिटी गार्ड भी था मौजूद, जो सोता रहा

इस मामले में पुलिस को सुबह 5-6 बजे के करीब शिकायत मिली। तेलीबांधा पुलिस के टीम मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड भी तैनात किया है। गार्ड का कहना है कि वारदात के वक्त उसकी आंख लग गई थी। उसे किसी भी तरह की कोई आवाज नहीं आई थी। जबकि चोरों ने आरी से ताला को काटा है।

25 लाख के 50 से ज्यादा कीमती सामान किया पार

चोरों ने जैन मंदिर से भगवान के ऊपर लगा हुआ गोल्ड पॉलिश वाला तीन चांदी का छत्र, 5 पंचमेरू, 8 अष्ट प्रतिहार्य, 2 चांदी की बड़ी थाली, 1 सोने का कलश, 9 चांदी का अभिषेक कलश, 6 शांति धारा झारी, 4 छत्र चांदी, 2 चांदी की थाली, 3 आशिका, 5 छोटी चांदी की प्लेट, 1 चांदी का लोटा, एक चांदी की बड़ी गंजी, चांदी का चम्मच और अन्य सामान चोरी किया है। आशंका है कि चोरी गए सामान की कीमत 20 से 25 लाख रुपए से ज्यादा है।

मंदिर के भीतर के दो दरवाजे अंदर से थे बंद

इस जैन मंदिर में तीन दरवाजे हैं जिसमें एक सामने मुख्य दरवाजा है। जबकि दो छोटे लकड़ी के दरवाजे साइड में बने हुए हैं। रात में भगवान के पूजा पाठ के बाद मुख्य दरवाजा और एक साइड के दरवाजे को भीतर से बंद कर दिया जाता है। फिर एक अन्य छोटे दरवाजे पर ताला लगाकर बाहर निकलते है। पुलिस को आशंका है कि चोर पहले से मंदिर के भीतर की रेकी किया था। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस एफआईआर दर्ज कर चोर की तलाश कर रही है।

आखिर माफी क्यों नहीं मांग लेते नेता

श्रीकंचनपथ

संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अम्बेडकर पर की गई गृहमंत्री की टिप्पणी से राजनीति में भूचाल आया हुआ है। सपा, कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दल मांग कर रहे हैं कि गृहमंत्री को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। पर कोई भी इस मामले में माफी नहीं मांग रहा। वैसे भी माफीनामे में क्या कहा जाता है? सिर्फइतना ही तो कहना होता है, मेरा उद्देश्य किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। फिर भी यदि मेरी बातों से किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो मैं माफी मांगता हूँ।卐 इससे अपनी अड़ी भी रह जाती है और माफी मांगने का काम भी पूरा हो जाता है। स्कूल में मास्टर साहब जब किसी ढीठ लड़के से माफी मांगने के लिए कहते थे तो वह बुरा सा मुंह बनाकर सॉरी बोल देता था। इतने से भी कम्प्रोमाइज हो जाता है। कोई भी सॉरी बोलने के लहजे पर नहीं जाता। फिर क्या बात है कि सत्ता पक्ष के नेता आसानी से माफी नहीं मांगते। जबकि विपक्ष के नेताओं की जुबान फिसल जाए तो न केवल वो माफी मांगते-मांगते थक जाते हैं बल्कि उनकी सांसदी और विधायकी तक दांव पर लग जाती है। दरअसल, यह मामला मान-अपमान अथवा माफी मांगने या नहीं मांगने का है ही नहीं। यह तो मुद्दा खड़ा करने का सबसे आसान तरीका है। बस कोई न कोई ऐसी बात कहनी है जो कहने-सुनने में बुरी लगे। जिसे लेकर देश भर में बवाल मच जाए और आप इस चर्चा के केन्द्र में बने रहें। बदनाम हुए तो क्या हुआ, नाम तो हुआ। बवाल इतना बड़ा हो कि लोगों का ध्यान तमाम जरूरी मुद्दों से हट जाए। वैसे भी देश की संसद किसी और काम के लिए बनी है। इसी संसद में लोगों ने कई ऐसी बहसें देखी हैं जिसने देश को नई दिशा दी। इस संसद ने नेहरू और अटल जैसे कालजयी सांसद देखे हैं। पर अब ये सब बीतें दिनों की बातें हैं। अब न तो विपक्ष कभी सत्ता की तारीफकरता है और न ही सत्ता विपक्ष की कोई जरूरत महसूस करता है। कोशिश तो यही है कि विपक्ष हाशिए पर चला जाए और सत्ता पूरी तरह से निरंकुश हो जाए। अब समस्याओं के हल नहीं ढूंढे जाते बल्कि ऐसी समस्याएं पैदा की जाती हैं जिनका हल एक जीवन में संभव ही नहीं। अपने होशो हवास में कोई मक्खी वाली चाय नहीं पीता। पर तलब ज्यादा हो तो लोग मक्खी निकालकर चाय पी लेते हैं। वहीं कुछ ज्ञानी ऐसे भी होते हैं जो चाय में मक्खी का गिरना शुभ बता कर लोगों को मक्खी वाली चाय पीने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इनसे भी एक कदम आगे चलकर कुछ विशेषज्ञ मक्खी वाली चाय को सेहत के लिए अच्छा बता सकते हैं। इस विशाल देश में इन सभी के पास अपनी-अपनी भीड़ है। क्या पता कब किसकी भीड़ ज्यादा हो जाए और सत्ता कब्जा ले।

संपादकीय

संसद में आचरण

भारतीय संसद के प्रांगण में फिर अप्रिय स्थिति का उत्पन्न होना हर लिहाज से दुखद और निंदनीय है। दो सांसद घायल हो गए, तो कई सांसदों ने धक्का-मुक्की की शिकायत की है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों की पुलिस तक पहुंचने की नौबत आ गई। वास्तव में, यह जो कटुता फैल रही है, उसका समय रहते उपचार करना चाहिए। अगर उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय होने की आशंका को बल मिलेगा। दल चाहे जो हो, जो भी सांसद धक्का-मुक्की में शामिल रहे हैं, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा की आशा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में सबकी भलाई है। हर सांसद को फिर संसद की आचार संहिता को पढ़ना चाहिए। जो सांसद नहीं जानते, उन्हें बताना चाहिए कि संसद में ऐसे दृश्य को लोग स्वीकार नहीं करेंगे।

> **सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर आगे एफआईआर की राजनीति बढ़ेगी, तो सभी को परेशानी होगी। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है।**

लोकसभा प्रांगण में अच्छा आचरण सुनिश्चित करने की क्षमता और अधिकार जो भी नेता या अधिकारी रखते हैं, उन्हें आगे आना चाहिए। वैसे भी, यह बात छिपेगी नहीं कि वास्तव में धक्का-मुक्की किसने शुरू की। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि सच की जीत हो और झूठ खुद को सुधारे। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मामला है। भाजपा सांसद प्रताप सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, यह भी पर्याप्त होगा।

यह समझना होगा कि उग्र राजनीति का देश नहीं है। यह अलग-अलग विचारों के बीच सद्भाव, समन्वय की राजनीति का देश है। यह भी सोचना चाहिए कि जिस महापुरुष भीमराव आंबेडकर के नाम पर अप्रिय स्थिति बनी, क्या वह स्वयं ऐसे व्यवहार की प्रशंसा करते? बाबा साहेब का संसद या संविधान सभा में जीवन ज्यादा नहीं रहा, वह दो-दो बार चुनाव हार गए, पर उन्होंने कभी भी अपने विरोधियों, अपने प्रतिद्वंद्वी दल के नेताओं के प्रति द्वेष का भाव नहीं बढ़ाया। बाबा साहेब का भी बार-बार अपमान हुआ, पर उन्होंने कभी आपा नहीं खोया। खुलकर या मुखरता से अपने विचार रखे। कभी किसी को अपशब्द नहीं कहे, कभी किसी बल प्रयोग का हिस्सा नहीं बने। ऐसे बाबा साहेब के नाम पर किसी भी प्रदर्शन या प्रति-प्रदर्शन को शालीनता की सुरक्षित सीमाओं में ही रखना होगा, ताकि संविधान के तहत देश के सर्वोच्च जन-प्रतिनिधि मंच की मर्यादा अक्षुण्ण रहे।

वन नेशन, वन इलेक्शन से विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा देश

नजरिया

सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा।

एस. सुनील

देश सचमुच बदल रहा है। न सिर्फ बदल रहा है, बल्कि शक्तिशाली हो रहा है। लोकतंत्र सशक्त हो रहा है। वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ रहा है। देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता आई है। अभी जिस समय देश संविधान अंगीकार करने के 75 साल पूरे होने का उत्सव मना रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने एक और ऐतिहासिक निर्णय किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक देश, एक चुनाव' के लिए बनाए गए दो विधेयक को मंजूरी दे दी है। संसद के शीतकालीन सत्र में इसके लिए सरकार दो विधेयक पेश करेगी। इनके जरिए संविधान के अनुच्छेद 82ए, 83, 172 और 327 में संशोधन का प्रस्ताव रखा जाएगा। इससे लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने और लोकसभा व सभी विधानसभाओं के कार्यकाल से जुड़े जरूरी बदलाव किए जाएंगे। केंद्र सरकार ने इससे पहले सितंबर में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली उच्चस्तरीय समिति की रिपोर्ट मंजूर कर ली थी, जिसकी सिफारिशों के आधार पर ये विधेयक तैयार किए गए हैं।

रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार विमर्श किया था। उनकी समिति के सामने अनेक विपक्षी पार्टियों ने सारे चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव का विरोध किया था, लेकिन ज्यादातर पार्टियां इस विचार के समर्थन में थीं। चुनाव आयोग और आम लोगों से भी समिति ने राय ली थी। इसके बावजूद सरकार अपने संपूर्ण बहुमत के दम पर एकतरफा तरीके से इन विधेयकों को नहीं पास कराने जा रही है। सरकार इस मामले में आम राय बनाने का प्रयास कर रही है। इसलिए संविधान संशोधन के विधेयक पेश करने के बाद उसे संयुक्त संसदीय समिति यानी जेपीसी को भेजा जा सकता है, जहां सभी पार्टियों के सांसद इस पर विचार करेंगे। यह समिति सभी संबंधित पक्षों से सलाह मशविरा करेगी और आम लोगों की राय भी लेगी। उसके बाद सहमति बना कर इसे पास कराया जाएगा। वैसे सरकार जब चाहती तब इसे पास करा सकती थी क्योंकि ये साधारण संशोधन हैं, जिनके लिए संसद में साधारण बहुमत की जरुरत है और राज्यों की विधानसभा से मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है। फिर भी सरकार आम सहमति का रास्ता अपनाएगी।

जिस समय रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में समिति बनाई गई थी तभी से इसे लेकर कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष पूछ रहा है कि इसका क्रियान्वयन कैसे होगा? अगर 2029 के लोकसभा चुनाव के साथ सभी राज्यों के विधानसभाओं के चुनाव कराने हैं तो अगले चार साल में होने वाले विधानसभा चुनावों का क्या होगा? यह भी पूछा जा रहा है कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं का कार्यकाल तय कर दिया जाएगा तो बीच में सरकार ने बहुमत गंवाया या सरकार गिरी तब क्या होगा? क्या वहां राष्ट्रपति शासन लगा रहेगा और अगले लोकसभा चुनाव के साथ ही वहां चुनाव होगा? वैसे इन सभी सवालों का जवाब सरकार की ओर से प्रस्तावित विधेयक में मिल जाएगा। परंतु अगर राजनीतिक पूर्वाग्रह छोड़ दें तो इन सवालों के जवाब बहुत मुश्किल नहीं हैं। कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल बढ़ा कर और कुछ के कार्यकाल घटा कर सभी विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा के साथ कराए जा सकते हैं।

जहां तक बीच में सरकार गिरने का सवाल है तो पिछले काफी समय से मध्यावधि चुनाव का चलन समाप्त हो गया है। पिछले एक दशक से ज्यादा समय से दिल्ली के एक अपवाद को छोड़ दें तो किसी राज्य में मध्यावधि चुनाव की नौबत नहीं आई है। यह लोकतंत्र की परिपक्वता का प्रतीक है। फिर भी इस संभावना को देखते हुए सकारात्मक अविश्वास प्रस्ताव का प्रावधान किया जा सकता है। यानी सरकार गिरने के साथ ही नई सरकार बनाने का प्रस्ताव भी रखा जाए। इसके बावजूद अगर कहीं सरकार गिरती है और नई सरकार नहीं बनती है तो वहां बचे हुए कार्यकाल के लिए चुनाव कराया जा सकता है। अगर इतने बड़े ऐतिहासिक निर्णय पर अमल करना है तो छोटे छोटे कुछ अपवाद बनाने होंगे।

विपक्ष की ओर से पहले दिन से इस प्रस्ताव का विरोध किया जा रहा है। विपक्ष का विरोध सिर्फ इस कारण से है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका प्रस्ताव किया है। विपक्ष को सरकार के हर प्रस्ताव और हर अच्छी पहल का विरोध करना है इसलिए वह विरोध कर रही है। विरोध में विपक्ष की ओर से ऐसे तर्क दिए जा रहे हैं, जिनसे खुद ही विपक्षी पार्टियां कठघरे में खड़ी होती हैं। कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां लोकसभा के साथ सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव को लोकतंत्र विरोधी बता रही हैं। प्रश्न है कि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराना लोकतंत्र विरोधी कैसे है और अगर यह लोकतंत्र विरोधी है तो स्वतंत्रता के बाद करीब 20 साल तक चार लोकसभा चुनाव और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कैसे हुए?

क्या देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस के दूसरे नेता लोकतंत्र विरोधी कार्य कर रहे थे? ध्यान रहे आजादी के बाद 1952 में हुए पहले चुनाव से लेकर 1967 के चौथे चुनाव तक देश के सारे चुनाव एक साथ होते थे। उस समय भी अगर कांग्रेस पार्टी ने अपनी संविधान विरोधी सोच में गैर कांग्रेसी राज्य सरकारों को बरखास्त करना नहीं शुरू किया होता तो आगे भी एक साथ चुनाव की प्रक्रिया चलती रहती। लेकिन कांग्रेस को बरदाश्त नहीं हुआ कि राज्यों में उसको हरा कर गैर कांग्रेसी सरकारें कैसे बन गई हैं। सो, उसने अनुच्छेद 356 का दुरुपयोग करके उन सरकारों को बरखास्त किया, जिसकी वजह से एक साथ चुनाव का चक्र टूट गया। उसके बाद गठबंधन की राजनीति के दौर में केंद्र में और राज्यों में भी एक के बाद एक मध्यावधि चुनाव हुए। कहने की जरुरत नहीं है कि नब्बे के दशक का वह दौर देश की राजनीति और अर्थव्यवस्था के लिए सबसे खराब दौर रहा।

देश उस दौर से निकल आया है। अब राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता है और देश प्रगति के रास्ते पर अग्रसर है। इसलिए अब उससे और आगे बढने की जरुरत है। देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र की मजबूती के लिए अगला चरण सभी चुनाव एक साथ कराने का है। ध्यान रहे भारत में चुनावों का ऐसा चक्र बना हुआ है कि हर साल कहीं न कहीं चुनाव होते हैं। इस साल लोकसभा चुनाव के साथ चार राज्यों के विधानसभा चुनाव हुए और उसके बाद छह महीने में चार और राज्यों के चुनाव हो चुके हैं। अगले साल यानी 2025 में दो राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल 2026 में छह राज्यों के चुनाव हैं। उसके अगले साल भी छह राज्यों के चुनाव होने हैं।

इसी तरह साल दर साल चुनाव चलते रहते हैं और चुनाव भले किसी छोटे राज्य का हो लेकिन उस पर राष्ट्रीय दृष्टि लगी रहती है। लोग भी उसमें व्यस्त रहते हैं और विकास के कामकाज या तो ठप्प रहते हैं या उनकी रफ्तार धीमी हो जाती है। राजनीतिक दल संगठनात्मक कार्यों और आम नागरिकों का राजनीतिक, सामाजिक प्रशिक्षण करने की बजाय चुनावों में व्यस्त रहते हैं तो सरकारें सकारात्मक व टिकाऊ विकास के कार्यों की बजाय लोक लुभावन कार्यों में व्यस्त रहती हैं। एक साथ चुनावों के जरिए हर समय चलने वाले चुनावों पर विराम लगाया जा सकेगा और सरकारें टिकाऊ विकास के प्रति ज्यादा समर्पण के साथ काम कर सकेंगी। सरकार जो विधेयक ला रही है उसके मुताबिक लोकसभा के साथ सभी राज्यों के विधानसभा चुनाव होंगे और उसके एक सौ दिन के अंदर सभी स्थानीय निकायों के चुनाव हो जाएंगे।

इसका सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि हमेशा चलने वाले चुनावों पर विराम लग जाएगा। सरकारों का ध्यान विकास कार्यों की ओर होगा। आचार संहिता की वजह से विकास कार्य ठप्प नहीं होंगे। और सबसे ऊपर हर बार चुनाव में होने वाले बेहिसाब खर्चों पर लगाम लगेगी। चुनाव आयोग से लेकर राजनीतिक दलों का चुनावों पर बेहिसाब खर्च होता है। एक साथ चुनाव से इन खर्चों में कटौती होगी। सुरक्षा बलों को भी लगातार इस राज्य से उस राज्य तक यात्रा करनी पड़ती है। आम लोगों का ध्यान भी चुनाव पर लगा रहता है। यह सब कुछ एक निर्णय से बदल जाएगा। तभी एक साथ चुनाव कराने का निर्णय ऐतिहासिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2014 के बाद से देश बदलने वाले जो ऐतिहासिक निर्णय किए हैं यह भी उसी कड़ी का एक महान निर्णय है। इस निर्णय को 2017 में एक देश, एक कर' यानी वस्तु व सेवा कर, जीएसटी की व्यवस्था लागू करने और 2019 में अनुच्छेद 370 व 35ए को समाप्त कर जम्मू कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा खत्म करने की श्रेणी में रखा जा सकता है। यह देश की मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करने वाला निर्णय है। सभी पार्टियों, नेताओं, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को अपने पूर्वाग्रह छोड़ कर इस निर्णय का समर्थन करना चाहिए। इससे देश की अर्थव्यवस्था में भी स्थिरता आएगी और देश विकास की नई ऊंचाइयों को हासिल करेगा।

(ये लेखक के विचार हैं)

ऊंची महंगाई वास्तविक आय को कर रही प्रभावित

बैलेंस सीट को सुधारना अच्छी बात है। लेकिन मुनाफे और श्रमिकों की आय के बीच संतुलन भी बने रहना चाहिए। यह नहीं रहा, तो अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं बचेगी और कॉपोरेट उत्पादों की खरीद नहीं होगी।' सरकार के कर्ता-धर्ताओं को अहसास होने लगा है कि भारत की ग्रोथ स्टोरी' कहीं अटक गई है। वजह आबादी के बहुत बड़े वर्ग की उपभोग क्षमता में गिरावट है। नतीजतन मांग गिर गई है और उसका असर अब कॉरपोरेट सेक्टर पर भी पड़ रहा है। यह स्थिति बनी रही, तो जीडीपी की तीव्र वृद्धि दर के दावे को कायम रखना कठिन हो जाएगा। वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन की ताजा चिंता का यही संदर्भ है। पिछले हफ्ते एसोचैम के एक आयोजन में उन्होंने कॉरपोरेट मुनाफे और श्रमिकों की आमदनी के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। कहा कि कॉरपोरेट का मुनाफा 15 साल के सबसे ऊंचे स्तर पर है। लेकिन इससे हुई आमदनी के ज्यादातर हिस्से का इस्तेमाल कंपनियों ने ऋण चुकाने में किया है। लेकिन कॉरपोरेट मुनाफे की तुलना में कर्मचारियों की तनख्वाह नहीं बढ़ी है। नागेश्वरन ने कहा- बैलेंस सीट को बेहतर करना अच्छी बात है। लेकिन कॉरपोरेट मुनाफे और श्रमिकों की आय वृद्धि के बीच संतुलन बने रहना चाहिए। यह अनुपात कायम नहीं रहा, तो अर्थव्यवस्था में पर्याप्त मांग नहीं बचेगी और कॉपोरेट उत्पादों की खरीद नहीं होगी।' यह वो बात है, जिस पर अनेक विशेषज्ञ पहले से रोशनी डालते रहे हैं।

पिछले कुछ समय से कंपनी अधिकारी और मार्केट एजेंसियां भी इस बात को दो-टूक से कहने लगी हैं कि देश में मध्य वर्ग ढह रहा है। इससे संबंधित ताजा रिपोर्ट मार्केट एजेंसी- कैंटार की आई है। शीर्षक गौरतलब है- इंडिया ऐट क्रॉसरोड्स (चौराहे पर भारत)। कैंटार साउथ एशिया के महानिदेशक सौम्य महंती ने कहा- कोरोना के बाद अर्थव्यवस्था में हुआ सुधार व्यावहारिक रूप में के' आकार का रहा है, जिसमें मध्य वर्ग पिस गया है। 2024 में बड़े दायरे में लोग ने महसूस किया कि वे पहले की तुलना में गरीब हो गए हैं। इसका परिणाम उपभोक्ता विश्वास के गतिरुद्ध होने के रूप में सामने आया है।' कैंटार के मुताबिक अगले वर्ष भी मांग मद्धम ही रहेगी, क्योंकि ऊंची महंगाई वास्तविक आय को प्रभावित कर रही है। अच्छी बात है कि अब सरकारी अधिकारी भी इसे मान रहे हैं। लेकिन क्या उनके पास कोई समाधान भी है?

(आरएनएस)

अब साल 2024 खत्म होने को है

श्रुति व्यास

हम 2024 के अंतिम दौर में हैं और पीछे मुड़ कर जायजा ले सकते हैं कि साल कैसा गुजरा। शुरू से शुरू करते हैं। सन 2024 की शुरूआत रामजी के स्वागत के साथ हुई। अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन काफी तड़क-भड़क के साथ हुआ। भावनाओं का ज्वार उफान पर था। हर घर भगवान के स्वागत के लिए आतुर था और हर तरफ जय श्रीराम' के उद्घोष सुनाई दे रहे थे। भगवा रंग फैशन में था और यहां तक कि दिल्ली के खान मार्केट को राम मार्केट' तक कहा जाने लगा था। राजनीतिक पंडितों को पक्का भरोसा था कि नरेन्द्र मोदी की भाजपा जबरदस्त बहुमत के साथ सत्ता में वापिस आएगी।

कहा जाता है कि जो नैरेटिव निर्धारित करता है, जीत उसी की होती है। नैरेटिव पर मोदीजी का कब्जा था। जाहिर है जीत उन्हीं की होनी थी। यह भी कहा गया कि विचारधारात्मक कारणों' से आने वाला चुनाव महत्वपूर्ण होगा। सर्दियाँ विदा हुईं और वसंत आया। चुनाव अब काफी नज़दीक थे। शुरू में माहौल में न तो रोमांच था और ना ही शोर-शराबा। बल्कि चुनावी परिदृश्य काफी उदास सा था। फिर, कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वाली के एक वक्तव्य ने देश का माहौल बदलकर रख दिया। पहले दौर का मतदान समाप्त होते-होते मूड में आया यह बदलाव भाजपा के स्टार प्रचारक मोदी की चाल-ढाल में दिखता होने लगा।

अब की बार चार सौ पार' का नारा कहीं गुम हो गया। चुनावी भाषण काफी आक्रामक और निम्न स्तरीय हो गए। मंच से गालियाँ दी जानी लगीं। खतना, मुजरा आदि जैसे शब्द गूंजने लगे। चुनाव प्रचार के दौरान अपनी यात्राओं में मुझे मोदी के बारे में कम, और विपक्ष के बारे में ज्यादा सुनाई देने लगा। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे एक सशक्त आवाज़ बन कर उभरे और उनके फेंस की संख्या बहुत बढ़ गई। झारखंड में हेमंत सोरेन को जनता की हमदर्दी हासिल हुई। पश्चिम बंगाल में दीदी को जनता के दिल में अपनी जगह बनाए रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ा और शेष भारत में छोटी-सी लाल किताब (संविधान) लोकप्रिय हो गई।

मतदान के सातों दौरों में, सूरज आग बरसाता रहा और मतदाता खामोश रहे। यहां तक कि मोदी के वाराणसी में भी कोई जोश नजर नहीं आया। चार जून को भारत के मतदाताओं ने अहंकार और हेकड़ी को बुरी तरह से कुचला। उन्होंने अतीत के बारे में झूठी बातों, प्रोपेंगेंडा, मुखौटों और उन खतरों को भांप लिया जो भारत के इंडिया और इंडिया के भारत के सामने उपस्थित थे। भारत की जनता ने मोदी और उनके साथियों का कद घटा दिया। और उनके गठबंधन को भी कमज़ोर कर दिया। जनता का विवेक जागृत हुआ और उसने विपक्ष को सशक्त बनाया। सबसे बड़ी बात यह कि उसने विपक्ष में भरोसा दर्शाया। और एक क्षण के लिए ऐसा लगा कि लोकतंत्र पुनः स्थापित हो गया है।

जबरदस्त गर्मी में मोदी के प्रति उन्माद कम ही महसूस किया गया। वे भी कम सक्रिय रहे और चुनावी गर्मी तथा मौसमी गर्मी से बचने लिए अधिक विदेश यात्राएं करने लगे। उन्होंने घरेलू राजनीति, घरेलू राजनीतिज्ञों के भरोसे छोड़ दी। विज्ञापनों और उद्घाटन-शिलान्यास के कार्यक्रमों में कमी आई। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावों में भी उनकी भागीदारी कम ही रही। लेकिन सात महीने और एक जोरदार मानसून के बाद चार राज्यों में चुनाव हुए और मोदी व उनके लोगों का कद और ताकत दुबारा बढ़ गए।

खासतौर पर महाराष्ट्र में एक आश्चर्यजनक जबरदस्त जीत के बाद ऐसा लगता है कि मोदी ने अपना खोया हुआ आत्मविश्वास दुबारा हासिल कर लिया। इस बीच विपक्षी एकता में दरारें साफ नजर आने लगीं। उनकी एकता टूटने लगी और उस पर सवालिया निशान लग गए। इंडिया गठबंधन का भविष्य एक बार फिर कम सुनहरा लगने लगा। टूट-फुट, ताने, अनुचित टिप्पणियां होने लगीं, अहं के टकराव होने लगे, नेतृत्व को लेकर खींच-तान होने लगी और राज्यों के चुनाव अलग-अलग लड़ने का सिलसिला जारी रहा। जहां तक राहुल गांधी का सवाल है, लोकसभा चुनाव के बाद से एक समृद्ध विरासत के ये वारिस केवल संसद के सत्रों के दौरान अतिसक्रिय नजर आते हैं। बाकी समय वे वही दिखते हैं जिसके लिए वे मशहूर हैं-राजनीति के प्रति उदासीन। यह भारतीय राजनीति के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीति के मूलभूत तत्वों-संगठन, मतदाताओं को जोड़ने और उत्साहित करने ङ्क में राहुल गांधी सक्षम और कुशल नजर नहीं आ रहे हैं। यह भी भारतीय राजनीति और विचारधारा के नैरेटिव की दृष्टि से दुर्भाग्यपूर्ण है कि राहुल गांधी सक्रिय राजनीति से दूर होकर नेतृत्व किसी और को, मसलन अपनी बहन प्रियंका गांधी को, सौंपने के लिए तैयार नहीं हैं। इन सात महीनों के दौरान अडानी के बारे में सही बातें कहने के बावजूद वे लोकसभा चुनाव में हासिल बढ़त को इस्तेमाल कर अपनी स्थिति और मजबूत बनाने में विफल रहे। वे अपनी कमजोर होती और बिखरती पार्टी को पुनर्जीवित करने और उसे सुधारने में भी विफल रहे। बल्कि जिस विचारधारा को अपनाया है, उसके चलते पार्टी काफी हद तक वामपंथ की ओर खिसक गई है-वह पार्टी जो पिछली पीढ़ियों में उच्च-जातियों की एक मध्यमार्गी पार्टी मानी जाती थी।

अब साल खत्म होने को है। ठिठुरन भरी सर्दी और धुंध का दौर दुबारा आ गया है। उसके साथ ही पिछले साल की अनिश्चितता की स्थिति भी दुबारा बन गई है। यह साल हमारे देश में लोकतंत्र के लिए अच्छा रहा। क्या नए साल में लोकतंत्र दुबारा लड़खड़ाने लगेगा? क्या नरेन्द्र मोदी दुबारा वह सब हासिल कर लेंगे जो 2024 में उनसे छिन गया था? या फिर राहुल गांधी को जनता के रूख और उनकी जरूरतों का अहसास होगा और वे एक फुलटाइम राजनीतिज्ञ की तरह व्यवहार करना शुरू करेंगे? पहली स्थिति बनने की संभावना अधिक नजर आती है।

हम देश में एक पूर्णतः नया माहौल बनते देखेंगे? क्या मतदाता अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करेंगे? क्या युवा, जिन्होंने मोदी के राज में सिर्फ बेरोजगारी भुगती है, हवा का रूख बदलेंगे? भारत में क्या बांग्लादेश जैसा कुछ होगा? या युवा भारत बटोगे तो कटोगे के नैरेटिव में खौया रहेगा। यह वह समय है जब हमें आने वाले वक्त के बारे में सोचना होगा, सोचना चाहिए।

(ये लेखिका के विचार हैं)

एक भारतीय स्वप्न की हत्या

सोमवार को बांग्लादेश के उदय की 53वीं वर्षगांठ है। हर वर्ष इन दिनों मुझे दिसंबर 1971 की उजली सुबह याद आ जाती है। रोज की तरह मैं राजकीय इंटर कॉलेज, इलाहाबाद की अनिवार्य प्रार्थना सभा में शामिल हुआ था। दैनिक प्रार्थना और राष्ट्रगान के बाद प्रधानाचार्य खानवलकर महोदय ने माइक सम्हाला। आमतौर पर प्राचार्य सवेरे की सभा को संबोधित नहीं करते, लेकिन वह दिन खास था। हमें संबोधित करते वक्त उनके चेहरे पर खुशी थी, आंखों में पानी छलक रहा था और आवाज लरज रही थी। उन्होंने हमें बताया कि भारतीय सेना ने ढाका में एक लाख के करीब पाक सैनिकों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है। हम जीत गए हैं, स्वतंत्र बांग्लादेश का उदय हो चुका है।

उन दिनों समूचे देश में युद्ध का वातावरण था। हर रात 'ब्लैक आउट' होता और रह-रहकर 'सायरन' बज उठता, ताकि लोग सतर्क रहें। आवश्यक वस्तुओं पर राशनिंग लागू थी और सटीक सूचना का सीमित जरिया था, आकाशवाणी। इन दुश्वारियों के बावजूद राष्ट्रभक्ति की भावना हर ओर हिलोरें मारती नजर आती। ऐसे में, प्राचार्य की घोषणा ने बच्चों में जोश भर दिया। हम जोर-जोर से नारे लगाने लगे। छात्र मतवाले हो चले थे। शिक्षकों के टोकने के बावजूद हम कॉलेज से बाहर निकल पड़े। वह अनियोजित जुलूस घंटों तक यूं ही इधर-उधर चलता रहा, नारे लगाता रहा।

भारतीय उपमहाद्वीप का वर्तमान काल इसका उदाहरण है। इस तथ्य को समझने के लिए हमें जनवरी 1972 के उन लम्हों में लौटना होगा, जब बंगबंधु रावलपिंडी से रिहा होकर भारत आए थे। 10 जनवरी को उनका भाषण आकाशवाणी पर लाइव प्रसारित किया गया था। बांग्ला में बोले गए उनके शब्दों को पता नहीं कितने लोगों ने समझा, लेकिन यह सच है कि जहां भी रेडियो था, वहां लोग कान लगाकर उन्हें सुन रहे थे। हर ओर उत्साह भरा जोश था कि भारत और बांग्लादेश मिलकर आगे का रास्ता तय करेंगे। आज वह भरोसा डिगा हुआ नजर आता है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर अत्याचार जारी है और वहां की सरकार इस सच को स्वीकार करने से मुंह मोड़ रही है।

अफसोस, यह सिलसिला आज शुरू नहीं हुआ। शपथ ग्रहण के चार साल भी नहीं बीते थे कि बंगबंधु और उनका लगभग पूरा परिवार सैनिक विद्रोह में मारा गया था। उस समय अखबारों ने भावुक संपादकीय लिखे थे कि भारत में गांधी की हत्या हुई और बांग्लादेश में शेख मुजीबुर्रहमान की। ऐसा लगता है, जैसे हम लोगों को अपने राष्ट्रपिता को पोसने की जिम्मेदारी स्वीकार्य नहीं। सैन्य तख्तापलट में शेख मुजीबुर्रहमान के कत्ल के बाद नए सदर बने मुश्ताक अहमद ने जनरल जियाउर रहमान को सेना प्रमुख नियुक्त किया। जिया ने तेजी से सियासी पकड़ बनाई और डेढ़ साल के भीतर वह फौज की मदद से सदर की कुर्सी पर विराजमान थे। उनके दिमाग में इस्लामी बांग्लादेश का ख्वाब पलता रहता था।

यूनुस को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है और इस नाते वह दुनिया भर में सम्मानित शख्स के तौर पर जाने जाते हैं। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वह बांग्लादेश को तेजी से आगे बढ़ाएंगे, लेकिन वह खुद उन ताकतों का हिस्सा साबित हो रहे हैं, जो अल्पसंख्यकों पर अत्याचार कर बांग्लादेश को फिर से पीछे धकेलना चाहती हैं। शेख हसीना वाजेद से उनकी निजी रंजिश का असर भारत से रिश्तों पर भी दिख रहा है। पिछले दिनों उन्होंने यूरोपीय देशों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर यह मांग की थी कि दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में बांग्लादेशियों के लिए खोले गए वीजा केंद्रों को ढाका स्थानांतरित कर दिया जाए। दोनों देशों के बीच पनपी तल्खी का नतीजा है कि जूना अखाड़े के साधुओं को इस बार महाकुंभ में प्रयागराज आने की इजाजत नहीं मिल सकी है। भारत में आयोजित होने वाले चार कुंभों में बांग्लादेश में मौजूद जूना अखाड़े की शाखाओं से चार से पांच सौ तक साधु आते रहे हैं। यही नहीं, ढाका से बहुत जल्द पाकिस्तान के लिए हवाई सेवा शुरू करने पर भी काम चल रहा है।

उधर, आईएसआई बड़ी शिद्दत से भारत विरोधी जेहादी शक्तियों को बढ़ावा दे रही है। सवाल यह है कि बांग्लादेश अपने लिए कैसा भविष्य चुनना चाहता है? वहां के हुक्मरां भूल क्यों जाते हैं कि पाकिस्तान 1980 के दशक तक प्रतिव्यक्ति आय के मामले में भारत से आगे था। उसने जेहादी शक्तियों को बढ़ावा दिया और आज वहां की दुर्गति देख लीजिए। इसके विपरीत भारत ने धर्मनिरपेक्षता की नीति को जारी रखा। नई दिल्ली की सरकारों ने हर तरह के कट्टरवाद और आतंकवाद के खिलाफलड़ाई लड़ी और बाजार की अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता दी। नतीजा सामने है। हम 2047 तक विश्व की तीन सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्तियों में शामिल होने का सपना संजोने की हैसियत रखते हैं।

कभी 1971 में बुरी तरह पराजित हुआ पाकिस्तान भले ही आज बांग्लादेश की घटनाओं पर इतरा ले, लेकिन उसे याद रखना चाहिए कि अंतिम जीत अवाम की आर्थिक तरक्की से हासिल होती है। ऐसे में, बांग्लादेश कट्टरपंथियों के हाथ में खुद को सौंपकर भला आगे बढ़ने का मनसूबा पाल भी कैसे सकता है? मोहम्मद यूनुस ऐंड कंपनी को इतनी साधारण बात समझ में क्यों नहीं आती? ढाका का यह बदला रवैया भारत की चिंता का भी सबब है। हमारी दोनों सीमाओं पर मजहबी उन्मादियों का जमावड़ा शुभ शकुन नहीं है।

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

सुशासन के एक साल में श्रमिक भी हुए खुशहाल

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्रम विभाग द्वारा श्रमिक वर्ग को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के लाभान्वित करने नये पंजीयन कार्ड बनाने के साथ नवीनीकरण भी किये जा रहे हैं। जिले में निर्माण स्थल, औद्योगिक क्षेत्र तथा श्रमिक बस्ती एवं ग्राम पंचायतों में श्रम शिविर/मोबाईल कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। विगत दिवस जिले के विभिन्न स्थानों में 07 पंजीयन शिविरों के माध्यम से 94 श्रमिक पंजीयन तथा 23 श्रमिक कार्ड नवीनीकरण किया गया है। इसी प्रकार दुर्ग नगर के श्रमिक बस्ती उरला, बाम्बे आवास में भी श्रमिक पंजीयन शिविर आयोजित कर 66 श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी दी गई और 30 श्रमिकों का श्रमिक पंजीयन कार्ड वार्ड के स्थानीय जनप्रतिनिधि के माध्यम से श्रमिकों को वितरित किया गया।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की 186वीं डीएलसीसी/डीएलआरसी की बैठक 21 दिसम्बर को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशानुसार बैठक की अध्यक्षता जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग दुबे द्वारा की गई। बैठक के प्रारंभ में बैंको की साख जमा अनुपात पर चर्चा हुई। जिन बैंकों का साख जमा अनुपात कम हैं, उन बैंकों को अगले तिमाही बैठक तक सुधार करने को कहा गया। बैठक में सीईओ बजरंग दुबे ने सभी बैंकर्स को शासन के मंशानुरूप प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों का नामांकन कर दिए गए लक्ष्य को पूरा करने निर्देशित किया गया। उन्होंने बैंकवार प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं जीवन ज्योति योजना के क्लेम से संबंधित लंबित प्रकरणों की जानकारी लेते प्राप्त प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने को कहा। जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति द्वारा तिमाही की लक्ष्य प्राप्ति की जानकारी दी गई ।

पाटन विधानसभा में विद्युत विस्तारीकरण के लिए 3.97 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए पाटन विधानसभा के एक कार्य के लिए 3 लाख 97 हजार 732 रूपए स्वीकृत किया गया है। जिला प्रभारी मंत्री, उपमुख्यमंत्रीविजय शर्मा द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद कुम्हारी द्वारा की जाएगी। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी वार्ड क्रमांक 3 गणेश चौक से केडिया मार्ग महामाया पारा कुम्हारी में विद्युत विस्तारीकरण कार्य के लिए 3 लाख 97 हजार 732 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

सुशासन सप्ताह अंतर्गत विकासखंडों में किसान सम्मेलन का आयोजन

मुख्यमंत्री के पाती पाकर किसान हुए गदगद

जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान की नारा को बुलंद कर उन्नतशील किसानों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य सरकार के एक साल पूरे होने पर जिले के विकासखण्डों में किसान मेला का आयोजन किया गया। विकासखण्ड मुख्यालय धमधा एवं पाटन के साथ ही दुर्ग विकासखण्ड के ग्राम कातरों में किसान मेला आयोजित की गई। यहां पर क्षेत्रीय विधायक ललित चन्द्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। राज्य सरकार की किसान हितैषी नीति/योजनाओं और उपलब्धियों को जनसामान्य तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किसान सम्मेलन में कृषक उन्नति योजना के लाभान्वित किसानों और प्रगतिशील किसानों का सम्मान किया गया। कृषि एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं से जुड़ कर कृषि के उन्नत तकनीक अपनाने किसानों को प्रोत्साहित किये। साथ ही लाभान्वित होने जागरूक किये।

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक ललित चन्द्राकर ने जय जवान जय किसान की नारा के साथ प्रधानमंत्री जी द्वारा इसमें जोड़े गये जय अनुसंधान की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है। अन्नदाता किसानों के सम्मान के लिए आज यह सम्मेलन आयोजित किया गया है। राज्य और केंद्र की सरकार किसान हित में लगातार काम कर रही है। किसानों के लिए समर्पित प्रदेश सरकार देश में सबसे अधिक दाम पर उनके उपज खरीद रही है। आज किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। सरकार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। जैविक खेती से उत्पादन में बढ़ोत्तरी होती है। यहां कि जमीन फल फूल की खेती के लिए भी अनुकूल है। प्रदेश सरकार किसानों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। आने वाले समय में ड्रोन खेती के लिए वरदान साबित होगी।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य सरकार किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी समर्थन मूल्य पर कर रही है। समर्थन मूल्य और आदान सहायता मिलाकर किसानों को प्रति क्विंटल धान का मूल्य 3100 प्रदान करने जा रही है। विगत वर्ष सरकार ने 145 लाख मेट्रिक टन धान की रिकार्ड खरीदी की थी। इस साल खरीफ फसल के बेहतर उत्पादन के कारण 160 लाख मेट्रिक टन धान की खरीदी का अनुमान है। विधयाक श्री चन्द्राकर ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के किसानों के नाम पाती को पड़ कर सुनाया। मुख्य अतिथि विधायक श्री चन्द्राकर ने सम्मेलन में उन्नतशील कृषकों को शॉल, श्रीफल भेंट व पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने अपने करकमलों से कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन एवं सीसीबी के हितग्राही किसानों को मृदा कार्ड, आईस बाक्स, जॉल एवं ऋण स्वीकृति पत्रक प्रदान किया। उन्नतशील कृषक गंगदेव, कमलनारायण, सजल चन्द्राकर, मेघराज मांडरिया, खोरबहरा पटेल, मुरारी साहू, राजेन्द्र साहू, लक्ष्मण निषाद और अश्वनी सरपे ने प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री के पाती मिलने पर खुश होकर विष्णु सरकार को धन्यवाद दिए।

इस अवसर पर एसडीएम एच.सी. मिरी, उपसंचालक कृषि संदीप भोई, उप संचालक मत्स्य सीमा चंद्रवंशी, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता, सीसीबी के हृदेश शर्मा तथा जनपद एवं ग्राम पंचायत के पदाधिकारी, कृषि विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी और बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

संयंत्र में कार्यकौशल प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा वर्ष 2024–25 के लिए ''अधिशासी निदेशक संकार्य एवं कार्यकौशल प्रतियोगिता'' का आयोजन विगत दिनों 11 ट्रेडों में किया गया था। जिसका पुरस्कार वितरण समारोह 20 दिसंबर 2024 को ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। समारोह में संयंत्र के कार्यपालक निदेशक प्रभारी अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक राकेश कुमार, तथा मुख्य महाप्रबंधक निशा सोनी ने 65 प्रतिभाओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि ''अधिशासी निदेशक संकार्य एवं कार्यकौशल प्रतियोगिता'' का आयोजन 02 सितंबर से 12 सितंबर 2024 तक 11 ट्रेडों में किया गया था। इस प्रतियोगिता में 285 वर्कर्स ने 22 जुलाई से 10 अगस्त 2024 तक भिलाई इस्पात संयंत्र के होम पेज के ई–सहयोग पोर्टल के माध्यम से अपना नामांकन किया, जिनमें से 213 वर्कर्स ने भाग लिया। 213 प्रतियोगियों में से कुल 65 प्रतिभागियों को उनकी उत्कृष्टता के आधार पर सम्मानित किया गया, जिनमें उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कार्मिकों को प्रोत्साहित करने के लिये क्रमशः 5000 रुपये, 4000 रुपये और 3000 रुपये के पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त, सांत्वना पुरस्कार के रूप में 1000 रुपये दिए गए। जिन ट्रेडों में 30 या उससे अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया था, उनमें चतुर्थ और पंचम स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण–पत्र और 2000 रुपये की राशि प्रदान की गई, साथ ही पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। इस वर्ष यह पुरस्कार 2 ट्रेड्स के 10 प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ।

संयंत्र के विभिन्न विभागों में से यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) विभाग को सर्वाधिक प्रतिभागिता का पुरस्कार दिया गया, जिसे महाप्रबंधक प्रभारी विशाल गुप्ता ने ग्रहण किया। इसके अलावा, इलेक्ट्रिकल और मटेरियल हैंडलिंग व्यवसायों के चतुर्थ और पंचम पुरस्कार विजेताओं को भी ट्रॉफी, प्रमाण–पत्र और 2000 रुपये प्रदान किए गए।

साथ ही इन्हीं व्यवसायों में पांच–पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए गए। समारोह में अपने उद्बोधन में अंजनी कुमार और राकेश कुमार ने विजेताओं को बधाई देते हुए प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डाला और विभाग प्रमुखों से आग्रह किया कि वे अपने कर्मचारियों को प्रतियोगिता में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम की शुरुआत, विभाग प्रमुख श्रीमती निशा सोनी ने स्वागत भाषण से की। समारोह का संचालन सेक्शन एसोसिएट प्रवीण कुमार तथा सेक्शन एसोसिएट के देवराजू ने किया। प्रतियोगिता का सारांश, सहायक प्रबंधक मयंक कुमार कर्महे ने प्रस्तुत किया एवम् धन्यवाद ज्ञापन सेक्शन एसोसिएट अजय तिवारी द्वारा दिया गया।

बीएसपी की दल्ली माइंस ने भुवनेश्वर में जीता 15वां कलिंगा सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल की दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस, भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) ने प्लेटिनम श्रेणी में प्रतिष्ठित 15वां कलिंगा सुरक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार – 2023 जीता, जो लौह अयस्क खनन के क्षेत्र में सर्वोच्च पुरस्कार है। 18 दिसंबर 2024 को भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय सुरक्षा कॉन्क्लेव – 2024 में, कार्यपालक निदेशक (खदान) श्री बिपिन कुमार गिरि और मुख्य महाप्रबंधक (खदान) श्री आर बी गहरवार ने बीएसपी की दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस के लिए यह पुरस्कार प्राप्त किया। ओडिशा के उप मुख्यमंत्री और माननीय कृषि और किसान सशक्तिकरण, ऊर्जा मंत्री ओडिशा कनक वर्धन सिंहदेव ने किंगडम ऑफ लेस्पथो की उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती लेबोहांग वैलेंटाइन मोचाबा की उपस्थिति में यह पुरस्कार प्रदान किया। इस पुरस्कार ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति बीएसपी की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

नवाचारी शिक्षकों को विनोबा पुरस्कार से किया गया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के मार्गदर्शन में जिले में संचालित आचार्य विनोबा भावे शिक्षक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के 05 शिक्षकों को माह नवंबर के लिए पोस्ट ऑफ द मंथ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विनोबा ऐप के माध्यम से हर महीने जिले के नवाचारी शिक्षकों को पोस्ट ऑफद मंथ और विभिन्न कौशल संवर्धन पहल में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया जाता है। इसके अलावा बोलेगा बचपन, टॉप 3 क्लस्टर और उत्कृष्ट दुर्ग कार्यक्रम में उल्लेखनीय योगदान देने वाले शिक्षकों का भी सम्मान किया जाता है। इसी क्रम में जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे ने पाटन ब्लॉक के सुशील कुमार सूर्यवंशी और सृष्टि तिवारी, धमधा ब्लॉक की प्रीति गेण्ड्रे और जितेंद्र कुमार, दुर्ग ब्लॉक की उषा शर्मा को सम्मानित किया।

उन्होंने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई दी और उन्हें प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी अरविन्द मिश्रा, विनोबा नोडल डॉ. पुष्पा पुरुषोत्तमन, ए.पी.सी विवेक शर्मा, ओपन लिंक्स फाउंडेशन से प्रोजेक्ट ऑफिसर प्राची तुमसरे उपस्थित थे।

आयुक्त ने किया निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास का निरीक्षण खुश हुए हितग्राही, कहा-साहब आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम के सीमा अंतर्गत क्षेत्र में निर्माणधीन प्रधानमंत्री आवास योजना को देखने शनिवार को आयुक्त सुमित अग्रवाल मौके पर पहुँचे।उन्होंने पहले दिए गए निर्देशों के मुताबिक कार्य के प्रगति की समीक्षा किए।औचक निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के समस्त अधिकारी/कर्मचारी व एजेंसी के लोग उपस्थित थे।मौके पर उन्होंने उरला क्षेत्र के बहुत सारे मकान का निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान देखे की ऐसे मकान जो प्रधानमंत्री आवास योजना के बीएलसी घटक के तहत में तैयार किया जा रहे हैं, जो की कंप्लीट होने के कगार पर हैं जिन्हें

तीन किस्त जारी हो चुका है।

मकान कंप्लीट होने के बाद चौथा किस्त जारी किया जाएगा।आयुक्त ने मौके पर हितग्राहियों से अपील कर कहा जल्द से जल्द अपना मकान पूर्ण करें ताकि उनके खाते में अंतिम किस्त जारी की जा सके।

जिस गति से हितग्राही अपना मकान कार्य संपूर्ण करते हैं उस गति से ही किस्त जारी की जा रही है की नही मौजूद अधिकारियों से जानकारी रिपोर्ट मांगी। आयुक्त ने दिव्यांग महिला शतरूपा मानिकपुरी के घर का भी अवलोकन किया, जिनके मकान लगभग पूर्ण होने को है।

आयुक्त ने उन्होंने आश्वासन दिया कि मकान पूर्ण होने के दूसरे ही दिन आपको किस्त जारी कर दी जाएगी।आयुक्त ने हितग्राहीयो के मकान पूर्ण होने पर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।आयुक्त के निरीक्षण से हितग्राही हुए खुश कहा साहब आपका बहुत–बहुत धन्यवाद दिए। इसके अलावा प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी घटक एएचपी के लिए आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा जिन ब्लॉकों की लॉटरी हो चुकी है।

नेहरू अवार्ड योजना के तहत बीएसपी के 570 कार्मिक एवं अधिकारी होंगे सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र के नेहरू अवार्ड 23 दिसम्बर 2024 को संयंत्र के कुल 570 कर्मचारियों को नेहरु सांस्कृतिक सदन सेक्टर– 1 में संध्या 5 बजे सम्मानित किया जायेगा।

जिसके अंतर्गत अधिकारियों और कार्मिकों को क्रमशः जवाहर पुरस्कार, नेहरू पुरस्कार और कार्मिकों व अधिकारियों को सामूहिक रूप से जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह गौरवशाली नेहरू अवार्ड संयंत्र के कर्मचारियों के उत्कृष्ट और सराहनीय कार्यों की प्रशंसा एवं उनके उत्साहवर्धन हेतु प्रदान किया जाता है।

इस समारोह के उच्च प्रबंधन के अधिकारीगण, संयंत्र के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, आफिसर्स एसोसिएशन, श्रमिक संगठन, पुरस्कार विजेता और उनके परिवार के सदस्यगण उपस्थित होंगे। भिलाई इस्पात बिरादरी के लिए यह दिन महत्वपूर्ण होता है, जब उनके कर्मचारी कठिन कार्यों को सरल तरीके से संपन्न करके संयंत्र की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए सम्मानित होते हैं। नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह 2024 में जवाहर पुरस्कार के तहत 33 अधिकारियों, नेहरू पुरस्कार के तहत 65 कार्मिकों को और जवाहरलाल नेहरू समूह पुरस्कार के तहत कुल 62 समूहों में 472 कर्मचारियों को उनके सम्मानित किया जाएगा। इस प्रकार कुल 570 कर्मचारियों को संयंत्र की उपलब्धियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

यह पुरस्कार 3 श्रेणियों में प्रदान किया जाता है। जवाहर अवार्ड की श्रेणी में अधिकारियों को उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए 8,000 रुपये और प्रशस्ति पत्र। नेहरू अवार्ड की श्रेणी में कार्मिकों को उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए 6,000 रुपये और प्रशस्ति पत्र तथा जवाहरलाल नेहरू समूह पुरस्कार की श्रेणी में कर्मचारियों और अधिकारियों की टीम को उनके सामूहिक योगदान के लिए 2,000 रुपये प्रति सदस्य और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार योजना भिलाई इस्पात संयंत्र की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक योजनाओं में से एक है। यह पुरस्कार संयंत्र की उपलब्धियों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सभी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए गर्व का प्रतीक है।

अहिवारा विधानसभा में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 14.09 लाख रूपए स्वीकृत

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए अहिवारा विधानसभा के दो कार्य के लिए 14 लाख 09 हजार रूपए स्वीकृत किया गया है। विधायक श्री डोमनलाल कोर्सेवाड़ाद्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत धमधा द्वारा की जाएगी। पंचायत नारधा में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 6 लाख 98 हजार रूपए एवं ग्राम पंचायत नारधा में सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 7 लाख 11 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

खास खबर...

सिंधी काउंसिल ने राधा स्वामी नगर में किया कंबल वितरण

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफइंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा लगातार चौथे दिन राधा स्वामी नगर में कंबल वितरित किया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने बताया कि राधा स्वामी नगर में बड़ी संख्या में बुजुर्ग महिलाएं बच्चे सभी को कंबल दिए गए।

सभी ने कंबल पाते ही जय श्रीराम के नारे लगाए और कहा ठंड में आप कंबल देकर हम सब की दुआ आपके साथ है। स्व. कांता देवी जसवानी, स्व. हरीराम तलरेजा, स्व. मोहनलाल तलरेजा, स्व. शंकरलाल रामनानी, स्व. हरीराम सिदारा की याद में कंबल वितरण किया जा रहा है। कंबल वितरण में सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, अमर गिदवानी, सुनील कुकरेजा, डॉ. एन डी गजवानी, राधा स्वामी, नगर पंचायत अध्यक्ष चंदर देवानी, धनेश मटलानी, अमर चंदनानी, महेश खिलनानी, आकाश बजाज, कन्हैया खेमानी, विष्णु नागवानी, महेश डेंगवानी, मनोहर डेंगवानी, सुंदरदास देवानी, विजय भाई , अनिल डेंगवानी, महिला मंडल गीता देवानी, अनीता रजवानी, नीलम कुकरेजा, प्रेरणा लेडवानी सभी राधा स्वामी नगर पंचायत के सदस्यगण उपस्थित थे।

केवाईसी नहीं होने की शिकायत, एक कॉल पर हुआ निराकरण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्याओं का निराकरण हो रहा है। तिल्दा स्थित पुरानी बस्ती निवासी दोगेंद्र पथकर ने तीन महीने से केवाईसी अपडेट नहीं होने को लेकर शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि केवाईसी अपडेट ना होने से उन्हें राशन भी मिलने में परेशानी हो रही है। जिसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर स्तिथ जन समस्या निवारण कॉल सेंटर मे की। जिसके बाद सम्बंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद विभागीय अधिकारियो ने मामले की जानकारी ली साथ ही आवेदक का कार्य भी करवाया। साथ ही आवेदक को इसकी जानकारी भी दी। आवेदक श्री पथकर ने ख़ुशी जाहिर की और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के प्रति आभार प्रकट किया है।

दो माह से नहीं मिलने वाला राशन एक फोन कॉल पर मिला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में अब एक फोन से समस्याओं का निराकरण हो रहा है। रायपुर निवासी हेमलाल चक्रधारी ने शासकीय राशन दुकान संचालक द्वारा दो माह से राशन नहीं देने की शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि वे जब भी राशन के लिए शासकीय राशन दुकान जाते हैं तो दुकान संचालक राशन समाप्त होने की बात कहकर राशन नहीं देता है। इसको लेकर उन्होंने संबंधित विभाग में भी शिकायत की लेकिन वहां से समस्या का निराकरण नहीं हुआ। जिसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर स्तिथ जन समस्या निवारण कॉल सेंटर में की। जिसके बाद सम्बंधित विभाग को मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद विभागीय अधिकारियो ने मामले की जानकारी ली साथ ही आवेदक को राशन का आवंटन करवा दिया। राशन मिलने से आवेदक श्री चक्रधारी ने ख़ुशी जाहिर की और प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार प्रकट किया है।

एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल अभिव्यक्ति 2024 का आयोजन कल

रायपुर। संस्थापक दिवस समारोह के अवसर पर एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल 23 दिसंबर को शाम साढ़े चार बजे से देर रात तक अभिव्यक्ति 2024 का आयोजन करेगा। उक्त कार्यक्रम का मुख्य विषय नृत्यांजन है। उक्त जानकारी प्रेस क्लब रायपुर में आयोजित पत्रकारवार्ता में स्कूल के प्राचार्य अविनाश पांडेय ने दी। उन्होंने बताया कि एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल में विश्व भर में होने वाले सांस्कृतिक आयोजनों की झलक स्टालों के माध्यम से मिलेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि फिल्म अभिनेता पद्मश्री, पद्मभूषण अनुपम खेर होंगे। श्री खेर के उद्बोधन के उपरांत स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रस्तुतिकरण होगा। अनुपम खेर स्कूल प्रांगण में शाम 4.30 बजे से 6.30 बजे तक उपस्थित रहेंगे। प्राचार्य पांडेय ने बताया कि इसके पूर्व भी अनेक विख्यात हस्तियों ने स्कूल में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में बतौर मुख्य अतिथि उद्बोधन दिया है। पत्रकारवार्ता में एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर एसके तोमर स्कूल कोऑर्डिनेटर एमएन सिंह उपस्थित थे।

डायबिटीज मरीजों की बढ़ती संख्या के पीछे मुख्य कारण चांवल का सेवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मधुमेह से पीड़ित मरीजों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है और यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो आने वाले वर्षों में इसका प्रतिशत और बढ़ जाएगा। मधुमेह मरीजों की संख्या बढने के पीछे बहुत सारे अनेक कारण है लेकिन विशेषतौर पर जो आंकड़े सामने आए हैं उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ में चांवल खाने वाले लोगों की संख्या अधिक है इस वजह से इसमें इजाफा हो रहा है। यह बातें पत्रकारवार्ता के बाद आरएसएसडीआई की राजकीय इकाई के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर स्मित श्रीवास्तव ने कहीं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अंचल में डायबिटीज के सर्वाधिक मरीज ग्रामीण क्षेत्रों से आ रहे है प्रत्येक गांव में जिनका प्रतिशत लगभग 8 से 11 है और संभावना जताई जा रही है इतना ही नहीं नवजात शिशुओं में भी अब डायबिटीज के लक्षण पाए जा रहे है जिसके चलते आने वाले 2040 तक यह संख्या दोगुनी हो जाएगी।

राज्य व केंद्र सरकार से वे इस पर नियंत्रण पाने के लिए बच्चों को लगने वाले इंसुनिलन पंप की सुविधा सरकारी अस्पतालों के साथ ही निजी अस्पतालों में उपलब्ध कराया जाए ताकि बच्चों को बचाया जा सकें। हम डायबिटीज मुक्त भारत तो नहीं बना सकते हैं लेकिन इस पर नियंत्रण जरुर पा सकते है। हम लोगों को तीन प्रकार के डायबिटीज का पता था लेकिन अभी वर्तमान समय में 12 तरह के डायबिटीज का पता चला है और इस पर ओरेशन अवार्ड से सम्मानित डॉक्टर क्रांति कुमार श्रीवास्तव इस पर रिसर्च कर रहे है।

अंदरूनी सड़कों-गलियों के लिए पौने 3 करोड़ का काम हुआ शुरू

अच्छी सड़कें विष्णु के सुशासन का प्रतीक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भाजपा के वरिष्ठ विधायक राजेश मूणत ने अपने विधानसभा क्षेत्र रायपुर पश्चिम के वार्डों की दशा-दिशा सुधारने का सिलसिला जारी रखा है। शनिवार को वरिष्ठ विधायक मूणत और उनकी टीम संत रविदास वार्ड पहुंची, वहां उन्होंने वार्ड की अंदरूनी सड़कों का डामरीकर, कंक्रीट गलियों के निर्माण जैसे डेढ़ दर्जन कार्यों का भूमिपूजन किया। इस पर 2 करोड़ 75 लाख रुपए खर्च होंगे। इस फंड के लिए राजेश मूणत ने सीएम विष्णुदेव साय और डिप्टी सीएम अरुण साव का आभार जताया तथा कहा कि विष्णु के सुशासन का रास्ता अच्छी सड़कें-गलियों से होकर ही निकलता है।

संत रविदास वार्ड में अंदरूनी सड़कों के डामरीकरण से लगे हुए वार्डों के लोगों को भी सुविधा होगी। मूणत ने कहा कि भीतरी सड़कें और गलियां सुधरने से आम लोगों को बड़ी संख्या में सुविधा मिलेगी और सड़कें सुधरने से इलाका भी डेवलप नजर आता है। सड़कों और गलियों के इस भूमिपूजन समारोह में बड़ी संख्या में वार्ड के लोग तथा नगर निगम के अफसर शामिल हुए। भूमिपूजन समारोह के साथ ही दिग्गज नेता राजेश मूणत ने कई जगह काम भी शुरू करवा दिया। उन्होंने नगर निगम अफसरों तथा ठेकेदारों से कहा कि अंदरूनी सड़कें और गलियां वर्षों में एक बार बनती हैं, इसलिए इसकी क्वालिटी से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

विष्णु के सुशासन में विकास के बेहतरीन कार्य

भूमिपूजन समारोह को संबोधित करते हुए राजेश मूणत ने कहा कि वार्डों की अंदरूनी रास्तों के सुधार का यह कदम छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार की लगातार कोशिशों का हिस्सा है, जो हर क्षेत्र के विकास में जुटी हुई है। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्रवासियों को न केवल बेहतर सड़कें मिलेंगी, बल्कि इससे स्थानीय व्यापार और रोजमर्रा की जिंदगी में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार तथा सीएम विष्णुदेव साय के सुशासन में राज्यभर में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। हम हमेशा जनता के कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। संत रविदास वार्ड में हो रहे कार्य इसका बेहतरीन उदाहरण है।

कल से निःशुल्क राजयोग अनुभूति शिविर

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में राजयोग ध्यान समारोह का आयोजन किया गया है। विषय होगा: आन्तरिक शान्ति और विश्व सद्भावना समारोह में वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी राजयोग मेडिटेशन का महत्व एवं तरीका बतलाएंगी और ब्रह्माकुमारी चन्द्रकला दीदी सभा में राजयोग का व्यवहारिक अभ्यास कराएंगी। संचालन ब्रह्माकुमारी दीक्षा दीदी करेंगी। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग और हार्ट फुलनेस के अनुभवी प्रशिक्षक भी अपने-अपने ध्यान पद्धति का प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम में राजयोग ध्यान द्वारा गहन मानसिक शान्ति का अनुभव करने के लिए इच्छुक सभी लोगों को हार्दिक निमंत्रण है।

राजयोग ध्यान सीखने के इच्छुक लोगों के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर और चौबे कालोनी स्थित सेवाकेन्द्र में प्रतिदिन दो सत्रों में सुबह 7 से 8 एवं शाम को 7 से 8 बजे निःशुल्क सात दिवसीय राजयोग शिविर का आयोजन किया गया है। सुविधानुसार किसी एक सत्र का चयन कर लाभ लिया जा सकता है।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 गरिमापूर्ण आयोजित करने के लिए कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रास सभाकक्ष में कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने तैयारियों के संबंध में अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी अपने विभाग के उत्कृष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों की सूची तैयार करें।

कलेक्टर ने गणतंत्र दिवस में पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में ध्वजारोहण, मंच, पंडाल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था संबंधी निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि समारोह स्थल पर परेड कार्यक्रम, भाग लेने वाली टुकड़ियों का निर्धारण एवं रिहर्सल, स्कूली बच्चों के कार्यक्रम, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों तथा उत्कृष्ठ झांकी को पुरस्कार वितरण के साथ ही कार्यक्रम के उद्घोषक का निर्धारण किया जाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार पार्किंग एवं ट्रेफिक व्यवस्था, कार्यक्रम स्थल पर विभागों द्वारा प्रदर्शित की जाने वाली झांकियों के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति का निर्देश दिया। पुलिस परेड ग्राउंड में साफ-सफाई, अस्थाई शौचालय इत्यादि की व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ 24 जनवरी को रिहर्सल का भी निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

फिल्मी गाने में लगाई दौड़ व जीती रेस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय में शुक्रवार से वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष अजय तिवारी एवं प्राचार्य डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी ने खेलों की औपचारिक घोषणा और फीता काटकर खेलों की शुरुआत की । बरखा सिक्का बीए सेकंड ईयर ने प्रथम आकर प्रतियोगिता जीत ली वहीं दूसरे स्थान पर रश्मि महतो पीजीडीसीए रही, तीसरा स्थान गुंजा राजपूत को मिला।

जबकि छात्र वर्ग में प्रथम स्थान आदर्श सिंह बीकॉम प्रथम वर्ष में हासिल किया। दूसरे स्थान पर के अभिजीत बीसीए द्वितीय वर्ष रहे, तीसरा स्थान मनीष साहू को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे चरण में शतरंज के अंतर्गत छात्रा वर्ग में बीकॉम द्वितीय वर्ष की दीवानी राव प्रथम स्थान पाकर प्रतियोगिता की विजेता बनी जबकि उपविजेता का स्थान प्रियांशी रघुवंशी को मिला। इन सभी आयोजनों में प्रमुख भूमिका कॉलेज के खेल अधिकारी विजय शर्मा, डॉ श्वेता शर्मा, प्रोफेसर सोमा गोस्वामी, प्रोफेसर राहुल तिवारी, डॉ. श्वेता महाकालकर, डॉ लक्ष्मीकांत साहू, डॉ राकेश चंद्राकर एवं डॉ. जया की विशेष भागीदारी रही।

धर्म का उपयोग पाप को धोने के लिए नहीं पापों से बचने के लिए कीजिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरु आनंद स्वाध्याय संघ के प्रशिक्षण शिविर आध्यात्मिक वातावरण में चल रहा हे। देश के विभिन्न शहरों से आए स्वाध्यायी ज्ञान ज्ञान के नए-नए गुर सीख रहे हैं प्रशिक्षण शिविर की धर्म सभा में नीलम बाफना को स्वाध्याय सौरभ सम्मान से नवाजा गया वहीं दूसरी ओर स्वाध्यायी किरण देवी संचेती को स्वाध्याय तपोधनी के सम्मान से अखिल भारतीय गुरु आनंद स्वाध्याय संध अहमदनगर तथा त्रिलोक रन वर्धमान स्थानकवासी धार्मिक परीक्षा बोर्ड के द्वारा यह सम्मान किया गया।

पांच अलग-अलग कक्षाओं में साध्वी वृंद के अलावा स्वाध्याय साधना के तहत ज्ञान ज्ञान सीखाने में अपना समर्पण दे रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर की धर्म सभा को डॉक्टर विजय, साध्वी डॉक्टर प्रियदर्शना, साध्वी साध्वी तरुलता विक्षक्षण श्रीजी स्वाध्याय साधकों को ज्ञान दर्शन के विभिन्न रूपों को अलग-अलग रूपों में समझ रहे हैं। धर्म सभा को संबोधित करते हुए डॉक्टर सुमंगल प्रभा ने कहा, धर्म सात्विक और पवित्र जीवन जीने का दिव्य मार्ग है। यह केवल नरक से बचने के लिए या स्वर्ग पाने के लिए नहीं है। अपितु मन के विकारों को शांत करने के लिए और कषायों से मुक्त होने के लिए हैं।

धर्म की चर्चा अधिक से अधिक करिए और कोरी चर्चा से हमें बचना चाहिए धर्म हमें न नास्तिक बनाता है और न ही आस्तिक । वह तो हमें केवल वास्तविक बनाता है। धर्म पगड़ी और दमडी नहीं है जब चाहो तब उतार दो और जब चाहे तब पहन लो अथवा जब चाहो तब दमड़ी की तरह भुना लो धर्म तो चमड़ी है जो सदा हमारे जीवन का हिस्सा बनी रहती है। जो क्रोध के वातावरण में प्रेम जगा दे वर धर्म है, कोभ के वातावरण में संतोष जगा दे वह धर्म है, जो अहंकार के वातावरण में सरलता और विलासिता के वातावरण में संयम के भाव पैदा करदे उसीका नाम धर्म है।

धर्म की हमें सिखावन है-अपने कर्तव्यों का पालन कीजिए, ईसान होकर इंसान के काम आइए । सब धर्मों का सम्मान कीजिए । इंसान होकर इंसान के काम आना दुनिया का सबसे महान धर्म है। प्रेम शांति और आनंद के धन को एटीएम से निकालना है तो उसका पासवर्ड है धर्म की आराधना अगर कोई संत इरियावध्यि का ध्यान करते मोक्ष पा सकता है अगर कोई नारी हाथी के होदे पर बैठी मोक्ष पा सकती है अगर कोई सेत पानी में सुपात्र को निराकरके तिर सकता है अगर ईलायचीकुमार डोरी पर नृत्य करते करते ज्ञान पा सकता है तो क्रिया प्रतिक्रिया की बात बाद में है सर्वप्रथम भाव दशा सर्वोपरि है। इसीलिए तो कहा है धर्म क्या है। टूटे हुए दिलों, को जोड़ने का काम धर्म है। बिखरे हुए परिवारों को जोड़ने का नाम धर्म है। मन में पलने वाली कषायों को शांत करने का नाम धर्म हैं। अपने कर्तव्यों को पालन करने का नाम धर्म है। चित्त को निर्मल बनाने का नाम धर्म है।

शादी-पार्टी के लिए स्किन टोन के हिसाब से ऐसे करें परफेक्ट लिपस्टिक शेड का चुनाव

शादी का सीजन चल रहा है। वहीं क्रिसमस और न्यू ईयर भी आने वाला है। ऐसे में जगह-जगह पार्टी होस्ट की जाएंगी। अक्सर किसी भी शादी-पार्टी में जाने के लिए जब भी लड़कियां तैयार होती हैं तो उनके मन में एक सवाल जरूर होता है कि वो कैसी लिपस्टिक लगाएं। लिपस्टिक किसी के लुक को निखारने का काम करती है। लिपस्टिक के बिना मेकअप अधूरा रहता है। महिलाएं हमेशा अपने लिपस्टिक के शेड का चुनाव बड़े ही सोच-समझ कर करती है। विंटर सीजन में अगर आप ब्यूटीफुल लुक चाहती हैं तो आप अपनी स्किन टोन के हिसाब से लिपस्टिक के शेड का चुनाव करें। आइए जानते हैं परफेक्ट लिपस्टिक शेड का चुनाव करने के लिए कुछ हैक्स।

डार्क स्किन टोन

जिन महिलाओं की स्किन डार्क टोन है उन्हें डार्क वाइन, कॉपर ब्राउन, पर्पल कलर के शेड्स वाली लिपस्टिक चुननी चाहिए। इस तरह की लिपस्टिक में आपका लुक बेहद ही बोल्ड और रिच नजर आएगा।

डस्की स्किन टोन

जिन महिलाओं की स्किन डस्की है उन्हें रिच और ब्राइट कलर्स लिपस्टिक का चुनाव करना चाहिए। इसी के साथ इस टोन की महिलाएं मैरून, डीप प्लम, चॉकलेट ब्राउन शेड्स का भी चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की लिपस्टिक डार्क कलर के आउटफिट के साथ परफेक्ट रहेगी।

मीडियम स्किन टोन

अगर आपकी स्किन टन मीडियम है तो आप मोव, वॉर्म ब्राउन या पिंच कलर की लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह के लिपस्टिक का शेड न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट है और इसे अप्लाई करने के बाद आप लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। वहीं इस तरह की लिपस्टिक आप लाइट कलर के आउटफिट के साथ मैच करके अप्लाई कर सकती हैं।

फेयर स्किन टोन

जिन महिलाओं का स्किन फेयर है उन्हें लाइट और पेस्टल टोन शेड्स वाली लिपस्टिक चुननी चाहिए। इस तरह की लिपस्टिक ब्यूटीफुल लुक पाने के लिए बेट्स हो सकती हैं। फेयर स्किन टोन वाली महिलाएं पिंक न्यूड कोरल, लाइट पिंक, क्लासिक रेड कलर की लिपस्टिक का चुनाव कर सकती हैं और इस तरह की लिपस्टिक आप अपने आउटफिट के हिसाब से मैच करके अप्लाई कर सकती हैं। वहीं ग्लैमरस लुक के लिए आप वाइन कलर की लिपस्टिक अप्लाई कर सकती हैं।

कॉकटेल-2 से साफ हुआ दीपिका पादुकोण और सैफ अली खान का पत्ता

इस फ्रेश जोड़ी ने ली जगह

साल 2012 में एक जबरदस्त फिल्म आई थी नाम था कॉकटेल। इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, सैफअली खान और डायना पेंटी लीड रोल में नजर आए थे। फैंस ने बेस्ड फ्रेंड के बीच गढ़ी गई इस फिल्म की कहानी को काफी पसंद किया था। दिनेश विजन की कॉकटेल दीपिका पादुकोण के करियर की गेम चेंजर भी साबित हुई थी।

अब खबर है कि जल्द ही कॉकटेल-2 बनने वाली है। अबकी बार इस फिल्म में पूरी नई स्टारकास्ट नजर आएगी। खबर है कि इस फिल्म के लिए दिनेश विजन और लव रंजन साथ आ रहे हैं। फिलहाल शाहिद कपूर और कृति सेनन इसके लिए फाइनल हैं।

वहीं अब तीसरी लीड एक्ट्रेस का नाम भी सामने आ रहा है। खबरों की मानें तो पुष्पा-2 एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को इसके लिए अप्रोच किया गया है। काफी समय से ये बात सामने आ रही थी कि रश्मिका मंदाना और शाहिद कपूर एक प्रोजेक्ट पर साथ में काम करने वाले हैं, अब लग रहा है कि कॉकटेल ही वो फिल्म होने वाली है। इससे पहले ये अनीस बज्मी की एक कॉमेडी ड्रामा में साल 2023 में काम करने वाले थे लेकिन उस पर बात नहीं बनी। अब कॉकटेल 2 में दोनों की फ्रेश जोड़ी को देखना आनंदमय होगा। वहीं दूसरी तरफ कृति सेनन और शाहिद कपूर तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में एक साथ काम कर चुके हैं। फैंस को इनकी केमिस्ट्री काफी ज्यादा पसंद आई थी। हालांकि रश्मिका को लेकर अभी कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं है।

ममता कुलकर्णी ने गैंगस्टर विक्की गोस्वामी की वजह से छोड़ा बॉलीवुड? शादी पर तोड़ी चुप्पी

90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी ने अचानक बॉलीवुड इंडस्ट्री से दूरी बना ली थी, और शादी करके वह विदेश चली गईं। अब 25 साल बाद जब एक्ट्रेस भारत लौटीं तो वह काफी एक्साइटेड थीं। ऐसे में ममता ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कई खुलासे किए। ममता कुलकर्णी का करियर पीक पर था और उस वक्त उनका नाम गैंगस्टर विक्की गोस्वामी के साथ जोड़ा गया, जो कि ड्रग केस में कई सालों तक जेल में रहा। एक्ट्रेस ने अब हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान सालों बाद कई सवालों के जवाब दिए। एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने क्यों भारत छोड़ा? उन्होंने भारत छोड़ने के बाद शादी कर ली थी?

आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में ममता कुलकर्णी ने कहा कि, 'मेरी विक्की गोस्वामी से मुलाकात साल 1996 में हुई और 1997 में विक्की गोस्वामी ड्रग्स केस में गिरफ्तार हो गए थे। उसके बाद वह 12 साल तक जेल में रहे। इस दौरान उन्होंने मुझसे मिलने के लिए भी कहा, और हम दोनों की मुलाकात भी हुई। इस दौरान मैंने अपना सारा ध्यान अध्यात्म की तरफ लगा दिया। मैं साल 2012 में कुंभ मेला में स्नान करने आई थी, तभी विक्की केन्या चले गए थे।'

ममता कुलकर्णी ने जब पूछा गया कि क्या उन्होंने गैंगस्टर विक्की गोस्वामी से शादी की थी? एक्ट्रेस ने जवाब में कहा, 'मैं 12 सालों तक ब्रह्मचारी रही हूं और मैंने प्याज-लहसुन खाना छोड़ दिया। मैं मानती हूं कि मैंने हमेशा विक्की गोस्वामी से प्यार किया और हमेशा प्यार रहेगा भी लेकिन मैंने उनसे कभी भी शादी नहीं की। अब काफी कुछ बदल चुका है इस बात को 8 साल हो गए और अब सब खत्म हो गया।'

जब ममता को कहा गया 'भगोड़ा'

ममता कुलकर्णी ने अचानक भारत छोड़ा था, तो एक्ट्रेस को भगोड़ा कहा गया था। यहां तक कि ड्रग्स मामले में भी एक्ट्रेस फंसी थी। अब उन्होंने इस पर सफाई देते हुए कहा, 'मेरे पास किसी चीज की कमी नहीं थी। उस वक्त बड़ी फिल्मों के ऑफर थे। पुलिस ने मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए थे। जिसने मुझे भगोड़ा घोषित किया था कुछ समय बाद उसे ही भगोड़ा बता दिया गया।'

बॉलीवुड में करेंगी वापसी?

ममता कुलकर्णी ये जब पूछा गया कि क्या वह अब फिल्मों में वापसी करेंगी, तो एक्ट्रेस ने साफ मना किया और कहा कि उनका अब फिल्मों में वापसी करने का कोई मन नहीं है। वह सिर्फ कुंभ मेले के लिए ही भारत आई थीं।

टेलीविजन अभिनेत्री देवोलीना ने दिया बेटे को जन्म

टेलीविजन अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने अपने पति शहनाज शेख के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है, जो एक बेबी बॉय है। सबकी चहेती गोपी बहू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अपनी खुशी का जाहिर किया है।

देवोलीना और शहनाज ने 18 दिसंबर को अपने बच्चे का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए, अभिनेत्री ने एक मनमोहक पोस्ट साझा की, जिसपर अब प्रशंसग लगातार अपना प्यार बरसा रहे हैं। देवोलीना ने कुछ ही देर पहले इंस्टाग्राम पर लिखा, हमारे आनंद के बंडल, हमारे बच्चे के आगमन की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं 18.12.2024। उत्साहित माता-पिता, देवोलीना और शहनाज। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, हैलो दुनिया! हमारा नन्हा फरिश्ता बॉय यहां है।

देवोलीना की इस गुड न्यूज को सुनकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं और लगातार उन्हें बेटे की मम्मी बनने की शुभकामनाएं दे रहे हैं। मां बनने के बाद देवोलीना की इस खुशखबरी पर सभी सेलेब्स उन्हें बधाई दे रहे हैं। टीवी अभिनेत्री आरती सिंह ने लिखा, 'बधाई हो.. बहुत सारे लाल हार्ट इमेजी के साथ', वहीं देवोलीना की दोस्त लक्ष्मी ने लिखा, 'वाओ बहुत-बहुत खुश.. देवोलीना बधाई हो। मैं अगले हफ्ते तुम्हें देखने आ रही हूं।' टीवी अभिनेत्री जयती भाटिया ने लिखा, 'अनेक आर्शीवाद..'। प्रियंका वोहरा ने लिखा, 'बहुत बहुत शुभकामनाएं।'

इससे पहले टीवी अभिनेत्री देवोलीना ने पति शाहनवाज शेख के साथ इंस्टाग्रम पर ही अपनी बेबी शॉवर की कई तस्वीरें शेयर की थीं। जिस पर उनके प्रशंसकों ने जमकर प्यार बरसाया। उन्होंने इंस्ग्राम पर अपनी पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, 'मुझसे और इंतजार नहीं हो पा रहा मेरे क्राइम में मेरे साथी का' देवोलीना की इस खुशखबरी से उनके सभी प्रशंसक बेहद खुश हैं और लगातार उन्हें मां बनने की बधाई दे रहे हैं। देवोलीना की इस गुड न्यूज को सुनकर मम्मी बनने की शुभकामनाएं देते हुए एक प्रशंसक ने लिखा, 'ओह हो.. बधाई हो। आशा है आप दोनों सही होंगे', एक और प्रशंसक ने लिखा, 'बधाई हो दोस्त'।

44 साल की उम्र में मां बनने वाली थी एक्ट्रेस, बच्चे के लिए झेला 65 इंजेक्शंस का दर्द, सब हो गया बर्बाद

किसी भी महिला के लिए मां बनने से बड़ा सुख कोई दूसरा नहीं होता। कुछ कपल्स को इस दिन के सालों का इंतजार करना पड़ता है। कुछ ऐसा ही 44 साल की उस एक्ट्रेस के साथ हो रहा था, लेकिन साल 2024 कपल को गुड न्यूज मिल गई। लेकिन साल के जाते-जाते वो दुख मिला, जिसको शायद ही कभी भूल पाएंगे। बात कर रहे हैं भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी की। हाल ही में उन्होंने गमगीन खबर अपने फैंस के साथ की, जिसके बाद से फैंस भी मायूस हैं।

एक्ट्रेस संभावना सेठ और उनके पति अविनाश अपने फैंस को खुशखबरी देने वाले थे। 44 साल की संभावना सेठ अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली थीं। लेकिन खुशियां घर में आने से पहले घर में मातम छा गया। तीन महीने की प्रेग्नेंट संभावना सेठ को मिसकैरेज हो गया। आईवीएफ के जरिए उन्होंने अपने पहले बच्चे को कंसीव किया था।

प्रेग्नेंसी के तिसरी महीने में खोया बच्चा

संभावना सेठ और उनकी पति ने व्लॉग में अपने फैंस को ये जानकारी दी है। मिसकैरेज के बाद संभावना का रो-रोकर बुरा हाल है। अविनाश ने अपने ब्लॉग में बताया, 'लंबे समय से हम आईवीएफ से बेबी के लिए ट्राई कर रहे थे। इस बार ये हो सका और संभावना प्रेग्नेंट हुई। यह उसका तीसरा महीना था। आज एक स्कैन हुआ और हमें उम्मीद थी कि हम सभी को इसकी घोषणा कर देंगे। सब कुछ ठीक था और हम बहुत खुश थे कि यह यात्रा सफल होगी। बच्चे की हार्टबीट थी, लेकिन हालिया स्कैन में डॉक्टर हार्टबीट का पता नहीं लगा सके। कोई भी यह नहीं समझ सका कि ऐसा क्यों हुआ।'

बच्चे के लिए झेला 65 इंजेक्शंस का दर्द

रोते-रोते संभावना ने प्रेग्नेंसी के पूरे प्रोसेस का जिक्र किया। आईवीएफ के इस पूरे प्रोसेस के दौरान उन्होंने 65 इंजेक्शन लिए, जो बहुत दर्दनाक थे, लेकिन उन्होंने अपने बच्चे के लिए सब खुशी-खुशी किया। मैंने सब कुछ किया और सभी सावधानियां बरतीं जो इस बच्चे को जन्म देने के लिए जरूरी थीं। जब मुझे लगा कि अब इंजेक्शन लगना बंद हो जाएगा, उनके बच्चे की हार्टबीट भी रुक गई।

जुड़वां बच्चों के होने की थी उम्मीद

अविनाश ने आगे बताया कि यह जर्नी कितनी चुनौतीपूर्ण थी। 'यह उसके लिए बहुत दर्दनाक था। उसे हर दिन 2-3 बार इंजेक्शन लगाया जाते थे। हमने अपना बेस्ट कोशिश करते हुए मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से निवेश किया था। रिपोर्ट देखकर डॉक्टर हैरान रह गए और उन्हें लगा कि शायद हमारे जुड़वां बच्चे होंगे। हम बस प्रेग्नेंट होने की उम्मीद कर रहे थे और डॉक्टर जुड़वां बच्चों के बारे में बात कर रहे थे।

द रोशंस की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, 17 जनवरी से नेटफ्लिक्स पर दिखेगी तीन पीढ़ियों की विरासत

ऋतिक रोशन, राकेश रोशन और राजेश रोशन जल्द ही एक बेहद खास प्रोजेक्ट में एक साथ नजर आने वाले हैं। कुछ समय पहले ही नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित डॉक्यूमेंट्री सीरीज द रोशंस की घोषणा की गई थी, जो रोशन परिवार की फिल्म इंडस्ट्री में कई पीढ़ियों की विरासत को दर्शाएगी। अब एक नए पोस्टर के साथ इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज की रिलीज डेट का भी एलान कर दिया गया है।

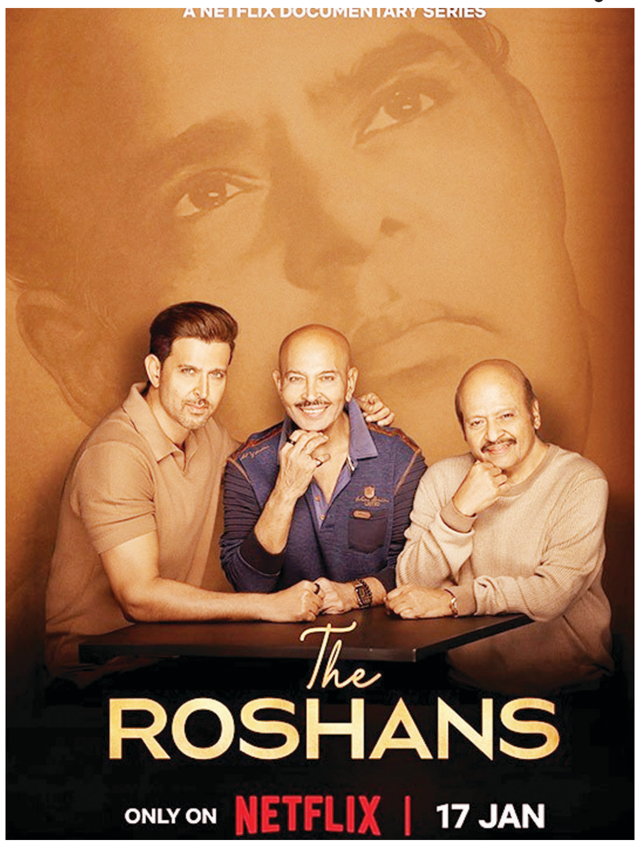

नेटफ्लिक्स के इंस्टाग्राम हैंडल पर द रोशंस का नया पोस्टर शेयर किया गया। इस पोस्टर में ऋतिक रोशन, राकेश रोशन और राजेश रोशन एक साथ बैठे हुए दिख रहे हैं, जबकि उनके पीछे दिवंगत रोशन लाल नागरथ की तस्वीर है। पोस्ट के कैप्शन में डॉक्यूमेंट्री सीरीज से क्या उम्मीद की जा सकती है, यह बताया गया है और रिलीज डेट का भी खुलासा किया गया है।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, लाइट्स, कैमरा, फैमिली! संगीत, फिल्मों और एक ऐसे रिश्ते के माध्यम से द रोशंस की दुनिया में डूब जाइए जो विरासत को परिभाषित करता है। देखिए द रोशंस, 17 जनवरी को केवल नेटफ्लिक्स पर।

पोस्ट पर फैंस की खुशी थमने का नाम नहीं ले रही थी। एक व्यक्ति ने लिखा, बहुत ज्यादा एक्साइटेड हूं! काउंटडाउन शुरू हो चुका है, जबकि दूसरे ने लिखा, 'द रोशन्स' की विरासत देखने के लिए एक्साइटेड हूं। एक और कमेंट में लिखा गया, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के महान लोगों पर प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री देखने का इंतजार है। 17 जनवरी - तारीख सेव कर ली। कई अन्य फैंस ने रेड हार्ट और फायर इमोजी के साथ अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

द रोशंस का निर्देशन शशी रंजन ने किया है। सूत्रों के मुताबिक इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज में बॉलीवुड के कई सितारों के इंटरव्यू भी होंगे, जिन्होंने रोशन परिवार के साथ काम किया है। राकेश रोशन ने इस साल की शुरुआत में शाहरुख खान का द रोशंस में योगदान के लिए धन्यवाद किया था।

रेलवे के 101 अफसरों को मिला अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार, एसईसीआर के दो अफसर भी हुए सम्मानित

रायपुर/नईदिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में 101 रेलवे अधिकारियों को 69वां अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार और विभिन्न श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ज़ोनों को 22 शील्ड प्रदान की। इस समारोह में रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न रेलवे ज़ोनों व उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधकों की उपस्थिति रही। समारोह में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के हरीश कुमार बंजारे सीनियर सेक्शन इंजीनियर (टीआरडी) व राजेश कुमार तिवारी, सीनियर सेक्शन इंजीनियर (ट्रैक मशीन) को भी अतिविशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार मिला।

समारोह में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत में रेल यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण में तीन गुना अधिक ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से उत्कृष्ट स्स्त्क्ष (सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण) प्रथाओं के माध्यम से रेलवे के कार्य संस्कृति में उत्कृष्टता लाने के लिए शील्ड के साथ वित्तीय पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान रेलमंत्री ने रस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्य और प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने भारतीय रेलवे द्वारा पिछले एक दशक में प्राप्त परिवर्तनकारी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी रेल लिंक और उत्तर-पूर्व संपर्क परियोजनाओं की तीव्र प्रगति का उल्लेख किया। 2025 तक 100त्न विद्युतीकरण का लक्ष्य, वंदे भारत, नमो भारत और माल गलियारा जैसी परियोजनाओं की तीव्र प्रगति, और कवच सुरक्षा प्रणाली का बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

रेलमंत्री ने की शिकायत-मुक्त भर्ती प्रक्रिया की प्रशंसा

रेलमंत्री ने स्टेशन पुनर्विकास, परिणामी दुर्घटनाओं में भारी कमी (345 से 90 तक), और 1.5 लाख पदों की शिकायत-मुक्त भर्ती प्रक्रिया की प्रशंसा की। उन्होंने स्वच्छता पहलों और एक नए सुपर ऐप की घोषणा की, जो यात्री अनुभव में क्रांति लाएगा। उन्होंने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और यात्रियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करने के लिए सुरक्षा, रखरखाव, गुणवत्ता और प्रशिक्षण पर तीन गुना प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने उद्योग सहयोग, उन्नत निरीक्षण प्रणाली, और जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया के आधार पर अधिकारियों और तकनीशियनों के लिए बेहतर प्रशिक्षण का आश्वासन दिया।

अमृत भारत स्टेशन जैसी परियोजनाओं की सराहना

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ सतीश कुमार ने भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि वह गति, आराम और सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन करते हुए विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने अमृत भारत स्टेशन जैसी परियोजनाओं की सराहना की, जो स्टेशनों को लिफ्ट, एस्केलेटर, और दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाओं से सुसज्जित कर रहे हैं। भारतीय रेलवे हर वर्ष अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान करता है। ये पुरस्कार व्यक्तिगत और ज़ोनल प्रदर्शन के लिए दो श्रेणियों में दिए जाते हैं। व्यक्तिगत पुरस्कार रेलवे कर्मियों की मेहनत और असाधारण योगदान को मान्यता देते हैं, जबकि शील्ड सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन और रेलवे के समग्र प्रदर्शन में योगदान के लिए दी जाती हैं।

छत्तीसगढ़ और ओडिशा में है पर्यटन की अपार संभावनाएं : वनमंत्री कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि छत्तीसगढ़ और ओडिशा को भगवान श्री जगन्नाथ के आशीर्वाद से अकुत खनिज संपदा और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार मिला है। दोनों ही राज्यों में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशा के अनुरूप दोनों ही राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। वनमंत्री श्री कश्यप आज आज ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित एक निजी समाचार चैनल के कार्यक्रम 'चलो देखें अपना देश' टूरिज्म कॉन्क्लेव को सम्बोधित कर रहे थे।

वनमंत्री श्री कश्यप ने कॉन्क्लेव में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यावसायिक रिश्तों को भी रेखांकित करते हुए कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ के आशीर्वाद से ओडिशा और छत्तीसगढ़ राज्य प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण है। दोनों ही राज्यों में अनेक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्यटन स्थल हैं और दोनों राज्यों के बीच 'रोटी-बेटी' का रिश्ता है। श्री कश्यप ने कहा कि जगन्नाथपुरी में वर्षो से बस्तर बाड़ा है। जहां छत्तीसगढ़ के श्रद्धालु भगवान श्री जगन्नाथ के दर्शन के लिए आते है और वहां ठहरते है। उन्होंने कहा कि देश में बहुत से आकर्षक पर्यटन स्थल हैं। इन क्षेत्रों में दोनों की राज्यों में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने का काम किया जा रहा है। ओडिशा में देश का सबसे खूबसूरत समुद्र तट है, तो छत्तीसगढ़ में बस्तर का दशहरा विश्व प्रसिद्ध है। इन दोनों ही राज्यों के पर्यटन प्रेमी इन स्थानों पर आकर पर्यटन का आनंद ले सकते हैं। गौरतलब है कि यह कार्यक्रम ओडिशा में पर्यटन को प्रोत्साहित करने और स्थानीय स्थलों के महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से इस कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया था।

विष्णुदेव सरकार में दौड़ा कोरबा के विकास का पहिया : उद्योग मंत्री

नगर निगम कोरबा अंतर्गत दर्री जोन के वार्ड क्रमांक 45 में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने को नगर निगम क्षेत्र कोरबा अंतर्गत दर्री जोन के वार्ड क्रमांक 45 सियाहीमुड़ी में चार वार्डों के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि पूजन कर शिलापट्टी का अनावरण किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि विष्णुदेव सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। शहरों के विकास के लिए राशि की कोई कमी नहीं होगी. जनभावना के अनुरूप तमाम विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा की शासन द्वारा सुगम, सुचिता और सुशासन के साथ नैतिक मूल्यों का निर्वहन करते हुए जन सरोकार के कार्यों को प्राथमिकता से किया जा रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि राज्य की जनता से किये गये हर वादे को प्राथमिकता देते हुए शिद्दत के साथ पूरा करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक नैतिक मूल्यों का निर्वहन करते हुए बिना किसी भेदभाव के सभी क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा नगर निगम के दर्री जोन के वार्डों की पिछले कुछ वर्षों में बदहाली किसी से नहीं छिपी थी। लेकिन अब आप लोगों को चिंता करने की कोई जरुरत नहीं है। सिंचाई कॉलोनी वार्ड क्रमांक 43 में चिल्ड्रन पार्क के विकास की लंबे समय से की जा रही थी, जिसका आज भूमि पूजन किया गया। वार्ड क्रमांक 45 की दो सड़कों का निर्माण होगा।हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी कोरबा प्रवास पर आए थे, इस अवसर पर जिले के कुल 623 करोड़ के विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखी थी। कोरबा नगर निगम क्षेत्र को कई बड़ी सौगात मिली है। विष्णु देव सरकार में कोरबा का विकास का पहिया तेजी से चल रहा है। वार्ड के लोगों की जो भी मांग है वह हर हाल में पूरी होगी, चिंता करने की जरुरत नहीं है।

इन कार्यों का किया गया भूमि पूजन

मंत्री श्री देवांगन ने वार्ड क्रमांक 43 सिंचाई कॉलोनी में चिल्ड्रन पार्क निर्माण कार्य लागत 10 लाख,वार्ड क्रमांक 43 कल्मीडुगु के सामने मंच निर्माण 5 लाख, वार्ड क्रमांक 45 स्याहीमुड़ी में कोमल खड़िया के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य 14 लाख, वार्ड क्रमांक 50 अयोध्या पुरी मिडिल स्कूल में अतिरिक्त कक्ष व पेवर ब्लॉक कार्य 14 लाख कुल 43 लाख के कार्यों का भूमिपूजन किया।

कला संस्कृति की विविध रंगों से सजा रहा मड़ई - 2024 का तीसरा दिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित इस चार दिवसीय सांस्कृतिक युवा महोत्सव मड़ई 2024 का कल समापन होगा। समापन समारोह कल 22 दिवसम्बर को अपरान्ह 04 बजे कृषक सभागार में आयोजित किया जाएगा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, आदिम जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री रामविचार नेताम उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल करेंगे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक स्पर्धाओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर में आयोजित चार दिवसीय सांस्कृतिक युवा महोत्सव मड़ई 2024 के तीसरे दिन आज यहां कृषि महाविद्यालय रायपुर के विभिन्न सभागृहों एवं प्रेक्षागृहों में विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा मूक अभिनय, भाषण, लघु नाटिका, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, क्ले मॉडलिंग, डिजिटल फोटोग्राफी, एकांकी, देश भक्ति

गीत गायन, पश्चिमी एकल गीत गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।लोक एवं आदिवासी नृत्य आदि प्रतियोगिताओं में आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा विविध लोक नृत्यों के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया गया। पंथी, कर्मा, अबूझमाड़िया, मुरिया आदि विभिन्न लोक नृत्यों पर विद्यार्थी देर शाम तक झूमते रहे। मांदर की थाप पर थिरकते कदमों की लय-ताल ने दर्शकों के बीच उत्साह और उमंग का जूनून पैदा कर दिया। इस तरह मड़ई 2024 का तीसरा दिन जोश और आनंद से भरपूर रहा।

जनादेश परब : किसान सम्मेलन सह कृषि मेला में किसानों को दी गई योजनाओं की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर राजनांदगांव के नवीन कृषि उपज मंडी परिसर बसंतपुर में जनादेश परब के उपलक्ष्य में कृषि विभाग द्वारा किसान सम्मेलन सह कृषि मेला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का संदेश, विष्णु की पाती, किसानों को भेंट की गई, जिसे पाकर किसानों ने प्रसन्नता जताते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व सांसद मधुसूदन यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार किसानों की हितैषी है। उन्होंने बताया कि राज्य

सरकार द्वारा किसानों के लिए धान खरीदी, बोनस वितरण, कृषक उन्नति योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करके इसका लाभ राज्य के किसानों को दिलाया है। उन्होंने किसानों को जल संरक्षण और जैविक खेती को अपनाने की अपील की।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि खेती-किसानी को अधिक फायदेमंद बनाने के लिए फसल विविधीकरण और सामूहिक खेती को अपनाने की जरूरत है। उन्होंने कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने और जल संरक्षण के प्रयासों को प्राथमिकता देने का सुझाव दिया। दिनों-दिन गिरते जा रहे भू-जल स्तर को बचाने के लिए उन्होंने बारिश के पानी को संरक्षित करने के लिए डबरी, तालाब एवं अन्य जल संरचनाओं के निर्माण पर जोर दिया।

प्रथम अंतर्राष्ट्रीय ध्यान दिवस पर केंद्रीय जेल में योग एवं ध्यान शिविर आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के केंद्रीय जेल में आज प्रथम अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस के अवसर पर कैदियों के लिए विशेष ध्यान और योग शिविर आयोजित की गई। इस ध्यान और योग शिविर का संचालन पूर्व सदस्य एवं आर्ट ऑफ लिविंग के वरिष्ठ प्रशिक्षक श्री अजय सिंह द्वारा किया गया। इस शिविर में कैदियों को ध्यान, प्राणायाम और योग के विभिन्न तरीकों का अभ्यास कराया गया।

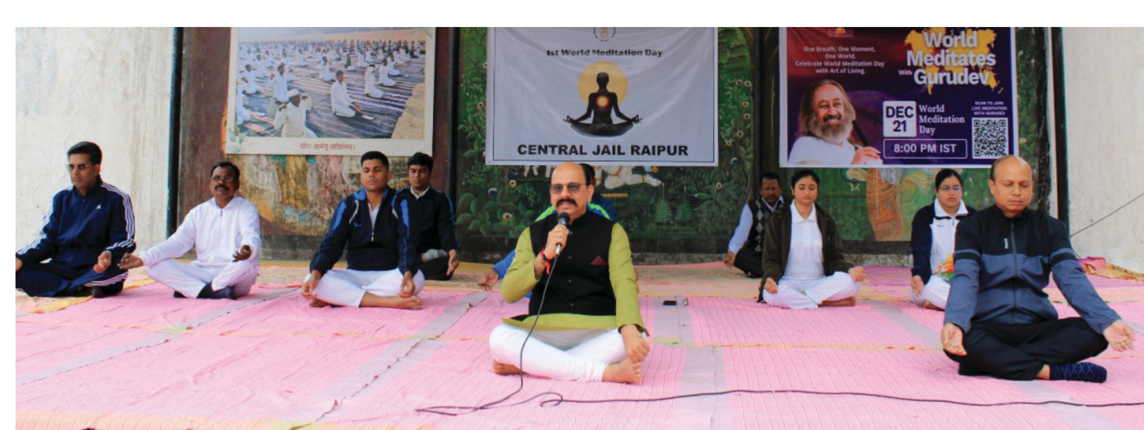

कार्यक्रम में प्रशिक्षक अजय सिंह ने कैदियों को ध्यान के महत्व और इसके लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 21 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस घोषित किया है ताकि हर व्यक्ति मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त कर सके। श्री सिंह ने ध्यान को मन की शांति और भावनात्मक स्थिरता का एक प्रभावी माध्यम बताया। ध्यान एक अभ्यास है, ध्यान व्यक्ति के मन को प्रशिक्षित करने एवं मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक शांति और शारीरिक विश्राम प्राप्त करने की एक विधि है। ध्यान तनाव को कम करने के साथ-साथ भावनात्मक संतुलन में सुधार, चिन्ता और अवसाद को कम कर नींद की गुणवत्ता बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि भारत की प्राचीन और सनातन विद्या को मान्यता देने के इस अवसर पर स्वयं पूज्य गुरूदेव श्री श्री रविशंकर संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय में मुख्य वक्ता के रूप शामिल होंगे, जिसमें 180 देश के लोग भी ऑनलाईन जुड़ेंगे। इसी कड़ी में आज केन्द्रीय जेल में भी यह आयोजन किया गया। जेल अधीक्षक अमित सांडिल्य ने सम्बोधित करते हुए कहा कि ध्यान को दैनिक जीवन में अपनाने से तनाव कम होगा और मानसिक शांति प्राप्त होगी। उन्होंने इस पहल को कैदियों के सुधार और उनके समग्र विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। यह आयोजन न केवल कैदियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का एक प्रयास है, बल्कि उनके आत्मिक और आध्यात्मिक विकास को भी प्रोत्साहित करता है। यह शिविर संयुक्त राष्ट्र के मुख्य उद्देश्यों में से एक, 'मनुष्यों के समग्र स्वास्थ्य और कल्याण' को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योग एवं ध्यान शिविर में 200 से अधिक कैदियों और जेल के अधिकारियों ने भाग लिया।

दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक का सम्मान समारोह आयोजित

जांजगीर-चांपा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार के सुशासन का पहला साल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकरी आकाश छिकारा के निर्देशन में समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिक का सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

उप संचालक समाज कल्याण विभाग ने बताया कि सम्मान समारोह में सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत डिप्टी कलेक्टर के पद पर चयनित लखेश्वर यादव को एक लाख रू. का चेक, शाल श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंटकर, राज्य स्तरीय पुरस्कार प्राप्त उत्कृष्ट दिव्यांग कर्मचारी अशोक बंजारे को स्मृति चिन्ह, शाल श्रीफल एवं व्हीलचेयर क्रिकेट स्पर्धा (कर्नाटका) में द्वितीय स्थान प्राप्त व्हीलचेयर खिलाड़ी धनंजय यादव (कप्तान) एवं टीम को ट्रेक शूट एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्माति किया गया। सम्मान समारोह के अवसर पर दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्रायसायकल, एवं श्रवणयंत्र एवं 150 वरिष्ठजनों एवं 70 दिव्यांगजन का सम्मान छड़ी व शाल श्रीफल देकर किया गया। इस अवसर पर शासकीय बहुदिव्यांग गृह सह छात्रावास में विभिन्न प्रतियोगिताओं मे कुर्सी दौड़, जलेबी दौड़, चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बहु दिव्यांग 30 छात्र, छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किड्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

भाईयों पर चाकू से हमला करने वाले एक नाबालिग सहित तीन गिरफ्तार

रायपुर। उधारी रकम को लेकर 20 दिसंबर को लाखेनगर में सगे भाईयों पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले शुभम मिश्रा उर्फ मिश्रा, सोम गजभिये व एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है जबकि एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मठपुरैना टिकरापारा का निवासी रितेश आडवाणी की रायपुरा में पान दुकान है। 20 दिसंबर की रात वह दुकान बन्द कर अपने पिता व छोटे भाई अजय आडवानी के साथ घर जाते समय लाखे नगर चौक जय माता दी होटल में खाना पार्सल कराने जा रहा था। इसी दौरान लाखेनगर ढाल गौशाला के पास पहुंचा था तभी जागृति स्कूल के पास आनंद विहार भाठागांव निवासी शुभम मिश्रा अपने अन्य साथ गौतमनगर लाखेनगर सोम गजभिये, एक नाबालिग व एक अन्य आरोपी के साथ आकर उधार पैसे के विवाद को लेकर उसके भाई अजय आडवानी के साथ मारपीट करने लगा। यह देख रितेश और उसके पिता बीच बचाव करने लगे तभी शुभम मिश्रा व उसके साथी अजय आडवानी को पकड़ा शुभम मिश्रा बोला निकाल चाकू आज इसे जान से मारकर खत्म कर देते हैं। अपने पास रखे चाकू से अजय आडवानी पर वार करने के साथ ही हाथ मुक्का से मारपीट किये। और पास पड़े पत्थर से रितेश के सिर पर मारा। इस रिपोर्ट पर पुरानी बस्ती पुलिस धारा 109, 3 (5) बी.एन.एस. का अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। पंजीबद्ध किया गया।

रात भर की तलाशी के बाद सुबह 3 लोगों को पकड़ा। इनमें आरोपी शुभम मिश्रा उर्फ मिश्रा आदतन अपराधी है उसके विरूद्ध थाना आजाद चौक में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, थाना गोलबाजार में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही एवं जिला राजनांदगांव के थाना कोतवाली से आर्म्स एक्ट (पिस्टल) के लगभग 01 दर्जन अपराध पंजीबद्ध है, जिनमें और वह पहले जेल जा चुका है। पूछताछ में तीनों हमला करना स्वीकार किया। तीनों को गिरफ्तार कर उनसे चाकू पत्थर जप्त किए गए। एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी खोजबीन में पुलिस जुट गई है।

दुर्ग में 5 माह पुराने चोरी का खुलासा, अलमारी की चाबी बनाने के बहाने उड़ा ले गए थे लाखों के जेवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मोहन नगर थाना क्षेत्र में 5 माह पुराने एक चोरी के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शातिर चोरों ने अलमारी का ताला बनाने के बहाने से घर में प्रवेश किया और मौका देखकर सोना व चांदी के जेवर लेकर फरार हो गए। इस मामले में शिकायत के बाद पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। घटना के 5 माह बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंची। इस मामले में पुलिस ने इंदौर मध्यप्रदेश के राजू सिंह एवं निशांत सिंह धार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 8 लाख 70 हजार रुपए के जेवर रिकवर किए हैं। मामले में एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है।

दरअसल यह घटना 27 जुलाई की है। इस मामले में सिंधी कॉलोनी दुर्ग निवासी सविता तलरेजा 5 अगस्त हो थाना मोहन नगर में लिखित रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 27 जुलाई 2024 को इनके घर में दो सरदार आलमारी का चाबी बनाने के बहाने पहुंचे। चाबी बनाने के दौरान प्रार्थीया को बातों उलझाकर आलमारी में रखे सोने चांदी के जेवरातो को चोरी फरार हो गये। प्रार्थीया की रिपोर्ट पर थाना मोहन नगर में धारा 331(3), 305 (ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। आरोपियों की पतासाजी के लिए पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के मार्गदर्शन व एएसपी अभिषेक झा ने थाना व एसीसीयू की टीम को लगाया।

टीम ने प्रार्थीया से संपर्क कर घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। घटना के संबंध में जानकारी लेकर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला गया फुटेज में दो सरदार घटना स्थल के आसपास आते-जाते दिखे। विडियो फुटेज की सहायता से दोनों की पहचान का प्रयास किया गया। इस दौरान पता चला कि दोनों बाहर के हैं। इसके बाद पुलिस ने जांच का दायरा बदला और सोशल मीडिया के सहारे आरोपियों की खोजबीन शुरू की। इस दौरान आरोपियों की पहचान सिकली सरदार राजू सिंह एवं निशांत सिंह धार, इंदौर (म.प्र.) के निवासी के रूप में हुई।

इसके बाद एक टीम को धार इंदौर क्षेत्र रवाना किया गया। धार जाकर आरोपयों का पता तलाश करने पर वर्तमान लोकेशन बड़ोदरा में होना पता चला। टीम बड़ोदरा पहुंची तो आरोपी वहां से भी फरार हो गये। इसके बाद आरोपियों ने अपना व अपने परिवार के सदस्यों का मोबाइल नंबर बदल दिया। फिर से आरोपियों की पतासाजी करने पर जावरा (मप्र) में होने की जानकारी मिली। तत्काल टीम द्वारा जावरा ओम लॉज मप्र पहुंचकर दबिस दी गई एवं दोनों आरोपियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

दोनों को अभिरक्षा में लेकर घटना के संबंध में कड़ाई से पूछताछ किया गया। जो घटना दिनांक को प्रार्थीया के घर के आलमारी से सोने-चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम को चोरी करना स्वीकार किये एवं सोने चांदी के जेवरात को रतलाम में जीवन सोनी के पास बेचने की जानकारी दी। पुलिस ने जब जीवन सोनी की तलाश की तो पता चला कि वह दो करोड़ का सोना लेकर फरार है। इस पूरी कार्रवाई में निरीक्षक तापेश्वर नेताम एसीसीयू भिलाई, उप निरीक्षक पारस ठाकुर थाना प्रभारी मोहन नगर, सउनि गुप्तेश्वर यादव, सउनि राजेश पाण्डेय, प्रधान आरक्षक प्रदीप सिंह, चंद्रशेखर बंजीर, आरक्षक अश्वनी यदु, चित्रसेन साहू, नरेन्द्र सहारे, टापेश्वर साहू, विक्रांत यदु, की उल्लेखनीय भूमिका रही।

मिट्टी, मुरूम व रेत के अवैध परिवहन पर कड़ी कार्रवाई खनिज विभाग की कार्रवाई, जब्त किए पांच वाहन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिला प्रशासन मुंगेली द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन के खिलाफ धड़-पकड़ एवं सख्त कार्रवाई का अभियान जारी है। बीते दिन शुक्रवार को मिट्टी, मुरूम और रेत का अवैध परिवहन के मामले में पांच वाहनों को जब्त किया गया है।

जिला खनिज अधिकारी ज्योति मिश्रा ने बताया कि शनिवार की सुबह कार्रवाई के दौरान दो वाहनों को थाना जरहागांव मुंगेली को सुपुर्द कर दिया है। इनमें वाहन क्रमांक सीजी 10 आर 0491 (चालक विकास कुमार साहू) और वाहन क्रमांक सीजी 11 एजी 0749 चालक सुनील कुमार द्वारा मुरूम और रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा था। इसके अलावा तीन अन्य वाहनों को खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई में जब्त किया गया। इन वाहनों को रक्षित केंद्र, पुलिस लाइन मुंगेली की सुरक्षा में रखा गया है। इन वाहन क्रमांक सीजी 28 एच 3430 (चालक करण यादव), सीजी 22 एबी 3446 चालक विजय साहू, और सीजी 07 एवी 2935 चालक राजकुमार यादव द्वारा मिट्टी और मुरूम का अवैध परिवहन किया जा रहा था। सभी जब्त वाहनों के विरुद्ध खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन की यह सख्त कार्रवाई खनिजों के अवैध दोहन और परिवहन पर कड़ाई से रोक लगाने के उद्देश्य से की जा रही है। कलेक्टर श्री राहुल देव ने खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन में संलिप्त लोगों को सख्त चेतावनी दी है कि ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आम लोगों से खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की सूचना जिला प्रशासन को देने की अपील की है।

खाद्य विभाग ने आधा दर्जन बिचौलियों से 1112 बोरी धान किया जब्त

बिलासपुर (ए.)। कलेक्टर अवनीश शरण के निर्देश पर बिचौलियों और दलालों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। राजस्व और खाद्य विभाग के अधिकारियों ने आधा दर्जन दुकानों पर दबिश दी। छापे में 1112 कट्टी धान जब्त की गई। जिसकी कीमत लगभग 14 लाख आंकी गई है। सोसाइटियों में खपाने की नीयत से धान का अवैध भंडारण किया गया था। कलेक्टर ने जब्त धान पर नजर रखने को कहा है ताकि केंद्रों पर वह बिकने ना पाए।

खाद्य अधिकारी ने बताया कि आज एसडीएम बिल्हा के मार्गदर्शन में चकरभाठा में जयश्री कृष्ण ट्रेडर्स के यहां 370 बोरी (148 क्विंटल) धान को जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी। इसी प्रकार खाद्य एवं मण्डी विभाग द्वारा सीपत निवासी फुटकर व्यापारी इंद्र वर्मा के दुकान माँ प्रॉविजन स्टोर्स से 73 कट्टी शिवगोपाल साहू के प्रतिष्ठान से 69 कट्टी कुल 142 कट्टी लगभग 56.80 क्विंटल धान मण्डी अधिनियम के अंतर्गत जप्त किया गया। चकरभाठा में सुरेश धान भंडार के यहां 150 बोरी (60 क्विंटल) धान को जप्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी। तहसील कोटा में ग्राम गोबरिपाट में फर्म सत्यप्रकाश दुबे में 450 कट्टी (180 क्विंटल) धान के संबंध में मौके पर किसी प्रकार का मंडी शुल्क रशीद और स्टॉक पंजी उपलब्ध नहीं किया गया। जिसके कारण धान जप्त किया गया तथा मंडी अधिनियम के तहत मंडी शुल्क में 5 गुना चार्ज लगाए जाने हेतु पंचनामा तैयार किया गया। इस तरह आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

ग्राहक सेवा केन्द्र में महिला से ठगी

कांकेर (ए.)। जिले के पखांजूर में पैसे निकालने आए ग्राहक से ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत मरोड़ा में संचालित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक पर आरोप है कि, पैसे निकालने आए ग्राहक से उसने ठगी की। महिला ने इसकी शिकायत बांदे स्थित एसबीआई बैंक में की। इससे पहले भी कुछ ग्रामीणों ने ठगी की शिकायतें दर्ज करवाई है। ग्रामीणों ने बताया कि, संचालक अर्से से लोगों को ठगी का शिकार बना रहा है। मामला सामने आने के बाद से अक्सर ग्राहक सेवा केंद्र का संचालक दुकान बंद कर गायब रहता है। दबाव बनाने के बाद उसने कुछ ग्रामीणों के पैसे लौटाए जबकि, कुछ ग्रामीण अब भी अपने पैसों के लिए भटक रहे हैं। बांदे एसबीआई अंतर्गत ग्राम मरोड़ा में संचालित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक धर्मेंद्र लोधी ने कई ग्राहकों के साथ ठगी की। आज इसकी शिकायत ग्राहक करूणा विश्वास ने बांदे एसबीआई के शाखा प्रबंधक से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता करूणा विश्वास ने बताया कि, 28 अक्टूबर को वह मरोड़ा स्थित धर्मेंद्र लोधी के कियोस्क सेंटर से एक हजार रुपये निकालने गई थी। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास बनाने के लिए उनके खाते में राशि जमा हुई थी। इसका फायदा उठाते हुए संचालक ने 16 हजार रुपए निकाल लिए और उन्हें एक हजार रुपए दिए। इस ठगी का पता तब चला जब पूरी रकम निकालने गई तो पैसे कम होने के कारण पैसे नहीं निकले। इसके बाद पीड़िता ने जब पूरी जानकारी निकाली तो कियोस्क बैंक से 16 हजार की रकम निकलने की जानकारी मिली। जिसके बाद कियोस्क संचालक को कहा गया तो उसने पैसे निकालने से साफमना कर दिया।

वाहन पलटने से छह लोगों की मौत, 43 लोग घायल

जगदलपुर (ए.)। जगदलपुर के दरभा थाना क्षेत्र के चांदामेटा के पास शनिवार की दोपहर को एक तेज रफ्तार वाहन पलट गया। इस घटना में छह लोगों की मौत हो गई। वहीं 43 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को बेहतर उपचार के लिए कोलेंग के स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम के साथ ही 108 के कर्मचारियों ने घायलों को बेहतर उपचार के लिए भेजा।

जगदलपुर जिले के कोलेंग-चांदामेटा क्षेत्र में हुई दुर्घटना के घायलों का उपचार मेडिकल कॉलेज अस्पताल में जारी है। शनिवार को हुई दुर्घटना में मौके पर चार व्यक्तियों की मौत हो गई थी, घायलों का प्राथमिक उपचार कोलेंग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में करने के बाद 45 लोगों को मेडिकल कालेज अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। जिसमें से दो की मौत मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पहुंचने के दौरान हो गई। पांच लोगों को बेहतर इलाज के लिए रायपुर के लिए रात में ही रवाना कर दिया गया है। अभी 38 घायल व्यक्तियों का इलाज डिमरापाल अस्पताल में जारी है। मृतकों में हूंगा की पत्नी बुधरी, सन्ना की पत्नी पायके, देवा, बुको मडकामी, बोधा की पत्नी बुधरी और हुरा सभी चांदामेटा के निवासी हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और घायलों की जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने घायलों के बेहतर इलाज के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। कलेक्टर हरिस एस ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

चाकू की नोंक पर मंगलसूत्र लूटने वाला निलेश गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

रायपुर। बोरियाखुर्द में महिला को चाकू की नोंक पर मंगलसूत्र लूटने वाले निलेश बघेल को टिकरापारा पुलिस ने गिरफ्तार करने के साथ लूट का सोने का लॉकेट और फरारी में इस्तेमाल बाइक सी जी/04/सी एक्स/4844 को जब्त किया गया। इस मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी की तलाश में पुलिस जुट गई है।

टिकरापारा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रजनी नंदे बोरियाखुर्द में रहती है। घर में ही पति के साथ फैसी स्टोर चलाती है। बारह दिन पहले 9 दिसंबर को रजनी के पति मेडिकल कालेज गये हुए थे जिस कारण वह दुकान में अकेली थी। दोपहर करीबन 2.30 बजे 1 लड़का दुकान में प्रवेश कर सामान खरीदा एवं ऑनलाईन पेमेंट करने लगा भुगतान नही होने पर शाम को आउंगा बोलकर चला गया। कुछ देर पश्चात् दोपहर करीबन 2.45 बजे वही लड़का दोबारा दुकान में प्रवेश किया एवं कुछ सामान लेने हेतु रजनी उसी लड़के को दुकान के दूसरी मंजिल पर ले गई। जहां लड़के द्वारा अपने पास रखे चाकू दिखा को जान से मारने की धमकी देने लगा। रजनी के विरोध करने पर लड़के ने प्रार्थिया के ऊपर चाकू से वार किया। और गले में पहने मंगलसूत्र को लूट कर बाइक में सवार अपने साथी के साथ फरार हो गया। टिकरापारा पुलिस धारा 309 (4) बीएनएस का अपराध दर्ज कर तलाश कर रही थी।

इसी दौरान मुखबीर से मिली जानकारी पर आर.डी.ए. कॉलोनी बोरियाखुर्द निवासी निलेश बघेल को पकड़ा गया। कड़ाई से पूछताछ में उसने अपने साथी आशीष निवासी नागपुर महाराष्ट्र के साथ मिलकर लूट स्वीकारा। निलेश बघेल को गिरफ्तार कर सोने का लॉकेट एवं दोपहिया वाहन सी जी/04/सी एक्स/4814 जुमला कीमती लगभग 75,000/- जप्त किया गया। उनका दूसरा आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

बीएसयूपी कालोनी पहुंची पुलिस, 700 से अधिक मकानों को किया चेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शनिवार तड़के 5 बजे मुजगहन इलाके में स्थित बी.एस.यू.पी. कालोनी में 200 से अधिक पुलिस के सिपाही पहुंचे और दोपहर तक 700 से अधिक मकानों को चेक किया इस दौरान 20 संदिग्ध लोगों को थाने में दस्तीक देने की हिदायत दी गई और डेढ़ दर्जन वाहनों को जप्त किया गया।

इस संबंध में पुलिस का कहना था कि विगत कुछ दिनों से पुलिस को सूचना प्राप्त हो रहीं थी कि मुजगहन बी.एस.यू.पी. कालोनी में कुछ व्यक्ति बाहर से आकर अवैध गतिविधियां संचालित कर रहे है। इस दौरान बी.एस.यू.पी. कालोनी में निवासत लागों की तस्दीकी के साथ ही निगरानी बदमाश, वारंटियों व अवैध रूप से रहने वालों की चेकिंग की गई। पुलिस ने 700 से अधिक मकानों को चेक किया। इसके साथ ही बी.एस.यू.पी. कालोनी के मकानों में निवासरत मकान मालिकों और किरायेदारों का तस्दीकी/सत्यापन किया गया। बिना पुलिस को सूचना दिये कालोनी में निवासरत किरायेदारों को अनिवार्य रूप से किरायानामा फार्म थाने में जमा करने की सख्त हिदायत दी गयी।

इस दौरान कालोनी में संदिग्ध रूप से मिले डेढ़ दर्जन दोपहिया वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही की गई। इसके साथ ही अवैध रूप से मकानों में निवासरत लगभग 20 संदिग्धों को थाना लाकर पूछताछ किया गया।

खेलते समय बच्चों ने लगाई पैरावट में आग, जिंदा जला मासूम

जशपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले खेल-खेल में आग लगने से एक 7 साल के मासूम बच्चे की जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना कुनकुरी थाना क्षेत्र के घटमुंडा नवाटोली गांव में की है, जहां दो नाबालिग बच्चे माचिस से खेल रहे थे और पैरावट में आग लग गई। आग की लपटें इतनी भयंकर थी कि एक बच्चा की जिंदा जलकर मौत हो गई, वहीं दूसरा बच्चा सुरक्षित बच गया। जानकारी के मुताबिक घटना के समय बच्चे खलिहान में रखे पैरावट में माचिस से खेल रहे थे। खेलते-खेलते उनकी लापरवाही से पैरावट में आग लग गई, और देखते ही देखते आग की लपटें बढ़ती चली गईं। इस भयंकर आग में 7 साल का मासूम एल्ड्रियन एक्का की जलकर मौत हो गई। वहीं मृतक के पिता ने बच्चे को बचाने की कोशिश की, लेकिन वह भी आग की चपेट में आकर घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची। एसडीएम नंदजी पांडे भी घटनास्थल पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। इसके बाद घायल पिता को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। यह दुखद घटना बच्चों की लापरवाही और खेल-खेल में हुई त्रासदी का उदाहरण है, जिसने एक परिवार को गहरे शोक में डाल दिया। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

- मुख्यमंत्री ने कायाकल्प राज्य स्तरीय पुरस्कारों का किया वितरण
- मेडिकल कॉलेज रायपुर में कायाकल्प राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह, स्वास्थ्य योद्धाओं का सम्मान

कायाकल्प राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह में शामिल हुए सीएम साय- बोले,

छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहा है स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में तेजी से स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मेडिकल कॉलेज रायपुर में कायाकल्प राज्य स्तरीय पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम में स्वास्थ्य योद्धाओं, टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया और चिकित्सकीय संवर्ग के नवनियुक्त स्वास्थ्य कर्मियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कायाकल्प से सम्मानित संस्थाओं, टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों और स्वास्थ्य योद्धाओं को अपनी शुभकामनाएं भी दी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जब प्रदेश का प्रत्येक व्यक्ति स्वस्थ होगा तभी हम विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण का लक्ष्य प्राप्त कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वास्थ्य सुविधाएं सुदृढ़ हो रही हैं। उन्होंने प्रदेश में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत अब तक 11 लाख से अधिक लोगों के स्क्रीनिंग के लिए स्वास्थ्य अमले को बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि परिवेश की स्वच्छता के साथ ही अस्पताल की स्वच्छता भी बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वच्छ भारत का संकल्प लिया था, उसमें अस्पताल की स्वच्छता को भी प्राथमिकता दी गई।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सांसद रहने के रहने के दौरान मेरे दिल्ली स्थित निवास में इलाज के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता था। एम्स में इलाज के लिए आने वाले मरीज और उनके परिजन मेरे आवास में ही रुकते थे। तब मेरे घर की व्यवस्था देख स्व. दिलीप सिंह जूदेव ने कहा था कि तुमने तो अपने घर को मिनी एम्स बना रखा है। अटल जी के कार्यकाल के दौरान रायपुर एम्स की जब स्वीकृति मिली तो वास्तव में छत्तीसगढ़ और आसपास के इलाकों के लाखों लोगों के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का रास्ता खुल गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील नेतृत्व ने आम जनता के कारगर इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना तैयार की। गरीबों के लिए पांच लाख रुपए तक के इलाज की व्यवस्था हो गई।

आज स्वास्थ्य विभाग के लिए उत्सव का दिन

कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आज स्वास्थ्य विभाग के लिए उत्सव का दिन है और प्रदेश भर के स्वास्थ्य योद्धा हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल के अल्प समय में स्वास्थ्य सुविधाओं ने नई ऊंचाईयों को छुआ है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं, अधोसंरचनाओं के विस्तार सहित आगामी कार्ययोजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विधायक मोतीलाल साहू, सुनील सोनी, गुरु खुशवंत साहेब, अनुज शर्मा उपस्थित थे।

वृद्ध लोगों की सेवा से होती है सभ्य समाज की पहचान

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एक सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वो अपने वयोवृद्ध लोगों का कितना ख्याल रख पाता है। हमारे बुजुर्ग अपना पूरा जीवन समाज के लिए देते हैं और समाज का फर्ज है कि उनकी पूरी देखरेख करें। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना का दायरा बढ़ाते हुए 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों के लिए भी पांच लाख रुपए तक के नि:शुल्क इलाज की व्यवस्था भी की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का फोकस है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भी मिले। बस्तर के कुछ गाँव ऐसे भी थे जहां बरसों तक माओवादी हिंसा की वजह से लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाया था। अब वहां स्वास्थ्य शिविर लग रहे हैं। लोगों के आयुष्मान कार्ड बन रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर हुआ बेहतर

सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़िया हुआ है इसका असर मेडिकल टूरिज्म के रूप में दिख रहा है। छत्तीसगढ़ में भी सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल्स में पड़ोसी राज्यों से भी मरीज आते हैं। हम लगातार छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य अधोसंरचना को बेहतर करने काम कर रहे हैं। आंबेडकर हास्पिटल में हम 700 बिस्तर अस्पताल भवन तैयार कर रहे हैं। इसके बाद यहां की क्षमता दो हजार मरीजों की हो जाएगी।छत्तीसगढ़ में मेडिकल कालेजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हाल ही में हमने चार मेडिकल कालेजों के भवन निर्माण की प्रक्रिया आरंभ कर दी है। हमारे हिंदी मीडियम के और ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों को मेडिकल शिक्षा में किसी तरह की दिक्कत न आये, इसके लिए हम हिंदी माध्यम में मेडिकल की शिक्षा उपलब्ध करा रहे हैं।

मेकाहारा में 700 बिस्तर अस्पताल की स्वीकृति

मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार और छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में लिए गए बड़े निर्णय और अपने प्रयासों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने मेकाहारा में 700 बिस्तर अस्पताल की स्वीकृति, 4 नए मेडिकल कॉलेज भवन की स्वीकृति और बुनियादी स्वास्थ्य अधोसंरचनाओं को लेकर किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुकमा जिले के चिंतागुफा स्वास्थ्य केंद्र को एनक्यूएएस सर्टिफिकेट मिलने पर पूरे स्वास्थ्य अमले को बधाई दी और कहा कि हमारी सरकार में न केवल प्रदेश के बड़े शहरों तक बल्कि अंतिम छोर तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने का काम जारी रखा है। मेडिकल कालेजों में पीजी की सीटें भी बढ़ाई गई हैं ताकि विशेषज्ञ डाक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

हमारे स्वास्थ्य केंद्र निजी संस्थान से मुकाबला कर रहे

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और अविस्मरणीय है। उन्होंने पुरस्कृत होने वाले सभी संस्थाओं और स्वास्थ्य योद्धाओं को बधाई दी और कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अब स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हो रही है। हमारे स्वास्थ्य केंद्र निजी संस्थान से मुकाबला कर रहे है। श्री साव ने स्वास्थ्यकर्मियों की सेवाभावना और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब कोई मरीज चिकित्सा उपरांत स्वस्थ होता है तो हमें अपनी पूरी व्यवस्था पर गर्व होता है और संतुष्टि मिलती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में स्वास्थ्य सुविधाएं तेजी के साथ बढ़ रही है और इससे प्रदेश के लोग लाभान्वित होंगे।

बेमेतरा को मिला पहला पुरस्कार, कोंडागांव द्वितीय

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023-24 के कायाकल्प स्वच्छ अस्पताल योजना राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह में जिला अस्पताल श्रेणी में प्रथम स्थान जिला अस्पताल बेमेतरा, द्वितीय स्थान जिला अस्पताल कोण्डागांव और कंसिस्टेंसी पुरस्कार जिला अस्पताल जगदलपुर को दिया गया। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रेणी में प्रथम स्थान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुलदुला जिला जशपुर, द्वितीय स्थान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पंडरिया जिला कबीरधाम और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रेणी में प्रथम स्थान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राजातलाब जिला रायपुर, द्वितीय स्थान शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राजकिशोरनगर जिला बिलासपुर को मिला। इसी तरह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र श्रेणी में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बागोडार जिला कांकेर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र राहोद जिला जांजगीर चांपा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कुसमी जिला बेमेतरा, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोरपा जिला रायपुर और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बटईकेला जिला सरगुजा को दिया गया।उप स्वास्थ्य केन्द्र श्रेणी में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से उप स्वास्थ्य केन्द्र तुमनार जिला बीजापुर, उप स्वास्थ्य केन्द्र मांगरी जिला सरगुजा, उप स्वास्थ्य केन्द्र कटीया जिला रायपुर, उप स्वास्थ्य केन्द्र अहेरी जिला दुर्ग और उप स्वास्थ्य केन्द्र मीठ्ठुनवागांव जिला बिलासपुर को मिला है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 10 स्वास्थ्य योद्धाओं का सम्मान किया। उन्होंने स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए कार्यों की प्रशंसा की। इसके साथ ही श्री साय ने प्रदेश के टीबी से मुक्त हुए ग्राम पंचायतों को भी सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री साय ने 209 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन और लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बेमेतरा जिले के विकासखंड मुख्यालय नवागढ़ में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ओपन पंथी नृत्य प्रतियोगिता एवं गुरु घासीदास लोक कला महोत्सव 2024 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने नवागढ़ में बाबा गुरु घासीदास जैतखम में पूजा-अर्चना कर राज्य की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर 209 करोड़ 12 लाख 57 हजार रूपये के 74 विभिन्न विकास कार्यो का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने नवागढ़ के कोदूराम दलित महाविद्यालय में एमकाम और साइंस विषय की 40-40 सीट और अनुसूचित जाति बाहुल्य 10 ग्रामों में 10-10 लाख रूपये की सीसी रोड का निर्माण कराए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल और राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का समाज एक समतामूलक समाज है। इस समाज के निर्माण में बाबा गुरु घासीदास जी के विचारों की छाया स्पष्ट नजर आती है। मनखे-मनखे एक समान के अपने संदेश से यही बात उन्होंने कह दी। जब एक दूसरे को समानता के दृष्टिकोण से देखना शुरू कर देंगे तो बैरभाव स्वत: ही समाप्त हो जाएगा। उनका यह संदेश केवल समाज ही नहीं अपितु देश-दुनिया को एकजुटता के सूत्र में बांधता है। ऐसे समय में जब विघटनकारी तत्व देश की एकता को तोड़ने की साजिश में लगे हैं, बाबा गुरु घासीदास जी के संदेश प्रकाश स्तंभ की तरह हमें रास्ता दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है। धान के कटोरे की पहचान जिन किसान भाइयों से है, वे सुखी समृद्ध रहें इसके लिए हम किसान भाइयों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल तथा 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद रहे हैं। पिछली बार हमने 145 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा, इस बार उम्मीद है कि धान खरीदी का यह आंकड़ा 160 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच जाएगा। बाबा जी ने महिला और पुरुषों के बीच समानता का संदेश भी दिया है। यह समानता तब आयेगी जब आर्थिक रूप से भी हमारी माताएं-बहनें पूरी तरह से सशक्त हों, इसके लिए ही मोदी जी ने हमारी माताओं-बहनों को महतारी वंदन योजना के रूप में हर महीने एक हजार रुपए की गारंटी दी। शपथ ग्रहण के पहले दिन से ही हमने महतारी वंदन योजना के क्रियान्वयन के लिए काम करना आरंभ कर दिया था। तीन महीने के भीतर ही हमने 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में हर महीने एक हजार रुपए की राशि देनी आरंभ कर दी। अब तक हम योजना की दस किश्त दे चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे युवाओं को रोजगार के उचित अवसर मिल सकें, परीक्षाओं में पूरी तरह पारदर्शिता हो, इसके लिए भी हमने कार्य किया।

पीएससी परीक्षा की जांच सीबीआई को सौंपी गई। इस साल पीएससी की परीक्षा पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित हुई। मैं पीएससी के टापर्स से मिला, उन्होंने मुझे बताया कि पिछली सरकार में जमकर हुए भ्रष्टाचार के चलते बहुत से युवाओं का पीएससी से भरोसा उठ गया था, इस बार साफ्सुथरी परीक्षा हुई तो भरोसा फ्रि से कायम हुआ। अनुसूचित जाति, जनजाति के युवा कलेक्टर, एसपी बन सकें, इसके लिए हमने दिल्ली में ट्राइबल यूथ हास्टल में युवाओं के लिए 135 सीटें बढ़ाई हैं। हम लोग युवाओं के लिए नालंदा की तर्ज पर 13 लाइब्रेरी भी नगरीय निकायों में आरंभ करने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का पूरा फोकस अनुसूचित जाति-जनजाति के विकास पर है। इसके लिए हमने बजट प्रावधान में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है। हमने नई उद्योग नीति तैयार की है। इस उद्योग नीति में हमारे अनुसूचित जाति-जनजाति के उद्यमियों के लिए विशेष प्रावधान रखे गये हैं। जो लोग उद्यमशीलता के क्षेत्र में बढ़ना चाहते हैं, उनके लिए काफी अच्छे अवसर हैं। मुझे खुशी है कि हम बाबा गुरु घासीदास जी के शांतिपूर्ण और समतामूलक समाज के संदेश के अनुरूप छत्तीसगढ़ को संवार रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए लगातार कड़ी मेहनत करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर वहां विभागों द्वारा लगायी गयी विकास प्रदर्शनी के स्टॉल का अवलोकन किया और प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास की चाबी सौपीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य स्तरीय ओपन पंथी नृत्य प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक साल में प्रदेश की जनता से किए गए वादों को पूरा करके दिखाया है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और नवागढ़ क्षेत्र के विकास के लिए मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा की गई घोषणा के लिए उनका आभार जताया। समारोह में विधायक किरण सिंह देव, पुन्नूलाल मोहले, दीपक साहू, ईश्वर साहू, अवधेश चंदेल, लाभचंद बाफ्ना सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए शिक्षा जरूरी: सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा विकास का मूलमंत्र है। मुख्यमंत्री श्री साय ने राजधानी रायपुर के कांगेर वैली अकादमी के 18वें वार्षिक उत्सव को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। हमने प्रदेश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू किया है। हमने स्कूलों में शिक्षक-पालक मीटिंग और न्यौता भोज जैसे अभिनव पहल शुरू की है, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों के पोषण को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 341 स्कूलों का चयन पीएमश्री स्कूल के रूप में किया गया है। यह शिक्षा के लिए अच्छी अधोसंरचना तथा स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय स्तर के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थान संचालित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी हुई कि इस विद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद को अहमियत दी जा रही है। यहां बच्चों को मेडिटेशन भी कराया जाता है। उन्होंने बच्चों को यह संदेश भी दिया कि पढ़ाई के साथ खेलकूद तथा सह-शैक्षणिक गतिविधियां उनके समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं।

विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने कहा कि इस विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार देने का कार्य भी हो रहा है। व्यक्तित्व के निर्माण में शिक्षा की बड़ी भूमिका होती है। यह भविष्य की सफ्लताओं का आधार होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर अकादमी के छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई गई पेंटिग और फाईन आर्ट की कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950